अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–253 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 11 जनवरी 2024 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

किशोरी को बहलाकर ले जाने के मामले में सात साल की सजा

उरई/जालौन। पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश मोहम्मद आजाद की कोर्ट में किशोरी को बहलाकर ले जाने के मामले में आरोपी को सात साल की सजा सुनाई गई। घटना के ढाई साल बाद आए इस फैसले में दोषी पर 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माना अदा न करने पर पांच माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

शासकीय अधिवक्ता विश्वजीत गुर्जर ने बताया कि उरई कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले के रहने वाले एक पिता ने पुलिस को 28 जून 2021 को सूचना दी थी। इसमें उसने अपनी बेटी की उम्र 17 वर्ष बताते हुए तहरीर दी थी कि कोंच कोतवाली क्षेत्र के पटेल नगर निवासी दीपक कुशवाहा बेटी को बहलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर दोनों लोगों की तलाश शुरू कर दी। अगले महीने सात जुलाई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस उरई के कोंच बस स्टैंड पहुंची। बस का इंतजार कर रहे दोनों को पुलिस ने पकड़ लिया। किशोरी के पिता को थाने बुलाकर पहचान कराई। उसके बाद आरोपी युवक को जेल भेज दिया। न्यायालय में किशोरी के बयान दर्ज हुए। पुलिस ने उसी साल 11 अगस्त को आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की। ढाई साल चले पॉक्सो कोर्ट में ट्रायल के बाद सुनवाई पूरी हुई। इसमें साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी पाते हुए सजा सुनाई गई।

नकल पर नकेल का नया तरीका, तीन स्तर पर एग्जाम सेंटरों की निगरानी; कलरफुल होंगी कॉपिया

वाराणसी। यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 में केंद्रों की तीन स्तर पर निगरानी होगी। केंद्रों पर किसी तरह की मनमानी नहीं चलेगी। पहली बार माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय से भी संबद्ध 15 जिलों के परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जाएगी। सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों से सीसीटीवी से संबंधित जानकारी मांगी गई है।

केंद्रों की सूची व परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिए गए हैं। नकल पर नकेल कसने के तमाम उपाय किए जा रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। कार्यालय के क्षेत्रीय अपर सचिव विनोद राय ने बताया कि डीआईओएस से केंद्रों पर लगे सीसीटीवी की जानकारी मांगी गई है। ताकि सभी केंद्रों से जुड़कर वेबकास्ट से निगरानी की जा सके। केंद्राध्यक्षों की सूची भी मांगी गई है। बताया कि पहले डीआईओएस व माध्यमिक शिक्षा परिषद स्तर पर ही सेवा थी। यहां सूचनाएं मांगने पर ही मिलती थी।

कलरफुल होंगी कॉपियां, फेस स्कैनिंग भी

इस बार बोर्ड की कॉपियां कलरफुल रहेंगी। विनोद राय ने बताया कि नकल रोकने के लिए ऐसा किया गया है। इससे नकल माफिया कॉपियों को बदल नहीं पाएंगे। बताया कि फेस स्कैनिंग भी होगी। ताकि दूसरे के स्थान पर कोई परीक्षा न दे सके।

जिले में 98888 हैं परीक्षार्थी

15 जिलों में 2084 परीक्षा केंद्र हैं। जबकि 14, 26745 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जबकि वाराणसी में 98888 परीक्षार्थी हैं। इसमें से 52 हजार से अधिक हाईस्कूल और 46 हजार से अधिक इंटर में परीक्षार्थी हैं।

बरेली पहुंचे सीएम योगी: राम मंदिर का मॉडल देकर मंत्रियों-सांसदों ने किया स्वागत, गूंजे जय श्रीराम के नारे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर करीब एक बजे कार्यक्रम स्थल बरेली क्लब मैदान पहुंचे। यहां जनप्रतिनिधियों ने राम मंदिर का मॉडल और रामचरित मानस भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने यहां बटन दबाकर कई योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को दोपहर एक बजे बरेली क्लब मैदान में जनसभा स्थल पर पहुंचे। मंच पर वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, राज्यमंत्री अरुण कुमार, सांसद संतोष गंगवार, धर्मेंद्र कश्यप ने राम मंदिर का मॉडल देकर सीएम योगी का स्वागत किया। उन्हें गदा व रामचरित मानस भी भेंट की गई। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर 3405 करोड़ की विकास योजनाओं को जनता के लिए समर्पित किया। इसके बाद पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। पुष्पा देवी, लखपति देवी, प्रियंका कुमारी, शाहाना बेग, लक्ष्मी आशा व अन्य लाभार्थियों को मंच पर सहायता राशि दी गई। इस मौके पर बरेली की सेपक टकरा खिलाड़ी शिवानी और एथलीट अमन सिंह को सम्मानित किया गया।

देश–विदेश में योगी जैसे नेता की डिमांड– खन्ना

कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि आज जो भी बदलाव आ रहा है, उसके लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को श्रेय जाता है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को देश ही नहीं दुनिया में सराहा जा रहा है। आर्थिक रूप से भी प्रदेश का ग्राफ ऊपर चढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। खन्ना ने कहा कि देश–विदेश में योगी आदित्यनाथ जैसे नेता की डिमांड है। ऑस्ट्रेलिया में भी कोई घटना होती है तो वहां भी लोग कहते हैं योगी को हमें दे दो। इससे पहले मुख्यमंत्री के सामने सांसद संतोष गंगवार ने रबड़ फैक्टरी की जमीन का मालिकाना हक मिलने के बाद औद्योगिक इकाई लगाने की मांग उठाई।

बरेली क्लब में जनसभा के बाद वह सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। यहां बीडीए उपाध्यक्ष नाथ कॉरिडोर से संबंधित अपना प्रस्तुतिकरण पेश करेंगे। सीएम योगी वन राज्यमंत्री अरुण सक्सेना के घर जाएंगे। शाम करीब छह बजे वह बरेली त्रिशूल एयरपोर्ट पहुंचकर वहां से लखनऊ रवाना होंगे।

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा से सम्बंधित कार्यक्रमों की तैयारी 15 जनवरी तक पूरा करेंरू मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज

अयोध्या। मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज महर्षि बाल्मीकि हवाई अड्डा पर पहुंचे उसके बाद श्री हनुमानगढ़ी, श्रीरामलला मंदिर का दर्शन पूजन करने के बाद मंदिर के निर्माण कार्यो का अवलोकन किया तथा ट्रस्ट के पदाधिकारियों से एवं कार्यदायी संस्थाओं से निर्माण कार्यो की नवीनतम प्रगति की जानकारी ली तथा कहा कि जो भी निर्माण कार्य है 15 जनवरी तक पूरे कर लिये जाय जिससे कि श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के अन्य तैयारियां की जा सकें। मुख्यमंत्री जी ने राम जन्मभूमि परिसर में ही नगर निगम द्वारा संचालित आई0टी0एम0एस0 केन्द्र का निरीक्षण किया तथा अगले चरण में अमानीगंज जल निगम का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री जी लता मंगेशकर चौक होते हुये हनुमान गुफा के पास निर्माण किये जा रहे टेंट सिटी का अवलोकन किया तथा इसको और बेहतर बनाने हेतु निर्देश दिये। मुख्यमंत्री जी अगले चरण में राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या में कराये जा रहे कार्यो का आयुक्त सभागार में समीक्षा की। मण्डलायुक्त ने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला निर्माण सम्बंधी जो भी कार्य चल रहे है उसको 15 जनवरी तक पूरा किया जाय तथा फसाड आदि कार्यो को भी पूरा किया जाय। निर्माण कार्य सम्बंधी जो 95 प्रतिशत कार्य हो गये है उनको जल्द से जल्द पूरा करने हेतु शिफ्ट में पूरा करने के निर्देश दिये तथा पूरे कार्यक्रमों को ऐतिहासिक बनाने हेतु सम्बंधित विभागों को पूरी क्षमता के साथ कार्यवाही करने को कहा। टेंट सिटी के कार्यो की समीक्षा में कहा कि इसके लिए प्रयागराज कुम्भ के समय एवं प्रवासी भारतीय सम्मेलन वाराणसी के समय टेंट सिटी बनायी गयी थी वैसे स्तरीय बनायी जाय तथा 22 जनवरी को ऐतिहासिक बनाने के लिए स्कूल, कॉलेज आदि में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने उस दिन शराब बंदी करने तथा सायं को दीपोत्सव की तरह अपने अपने घरों में श्रीराम ज्योति प्रज्वलित करने के लिए कार्य करने को कहा तथा उस दिन आतिशबाजी भी किया जाय और स्कूल कालेज को भी सजाया जाय। अयोध्या के मुख्य मार्ग धर्मपथ, रामपथ, जन्मभूमि पथ एवं भक्ति पथ आदि को भी सजाने एवं केसरिया रूप में निखारने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। मुख्यमंत्री ने नगर निगम में साफ सफाई व्यवस्था बेहतर करने हेतु तथा आने वाले अतिथियों के सम्मान एवं उनके रहने आदि की व्यवस्था करने हेतु कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाय तथा किसी को हल्के में न लिया जाय। मौसम को देखते हुए अतिथियों के आवागमन की बेहतर व्यवस्था किया जाय। सार्वजनिक सुविधायें शौचालय आदि को बेहतर बनाया जाय जिससे कि बदबू आदि न आ सकें। मानक के अनुसार चिन्हित

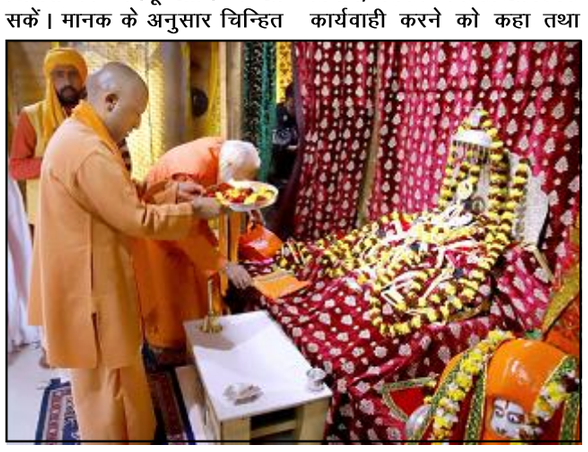

स्थानों पर साइन बोर्ड भी लगाये जाय और मुख्य रूप से एक अतिथियों के आगमन मार्ग को दीपावली की तरह सजाने तथा उस मार्ग को धूल मुक्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कार्यो में क्विलिटी का भी ध्यान दिया जाय। विकास कार्यो का विवरण मण्डलायुक्त श्री गौरव दयाल ने प्रस्तुत किया जिसमें कहा कि विगत बैठकों में जो आपके निर्देश दिये गये थे उसके अनुरूप कार्य किये जा रहे है तथा जो भी कार्य है उसको 15 जनवरी तक पूरा कर लिये जायेंगे। मण्डलायुक्त ने कहा कि हमारे कार्यक्रम में 30 हजार अतिथियों के लिए 60 होटल, 101 धर्मशाला गेस्ट हाउस, 570 होम स्टे/पेइंग गेस्ट तथा हमारे टेंट सिटी आदि में रहने की अच्छी व्यवस्था की जा रही है तथा सत्ताधारी पार्टी द्वारा भी नव्य अयोध्या में 20 हजार लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गयी है। सेफ सिटी के लिए 11 खम्भों पर 100 सार्वजनिक प्रणाली लगाने की भी कार्यवाही की जा रही है, पीक अवधि में 4 हजार से ज्यादा सीट्स सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था की जा रही है। सार्वजनिक सुविधाओं के लिए कियॉस्क लगाये जा रहे है जो कुल 100 के आसपास है इसको और बढ़ाया जा रहा है। पीडब्लूडी द्वारा रोड साइन बोर्ड एवं डायरेक्शन साइन बोर्ड को भी लगाने के लिए तथा सविधान की 9वीं अनुसूची उल्लिखित भाषाओं के लिए भी साइनबोर्ड लगाने का कार्य किया जा रहा है। फूलों के द्वारा हाईवे, रामपथ, भक्ति पथ, रामजन्मभूमि पथ, धर्मपथ, एयरपोर्ट प्रमुख मार्गो एवं मंदिरों को सजाया जायेगा। अयोध्या को सांस्कृतिक अयोध्या, सक्षम अयोध्या, आधुनिक अयोध्या, सुरम्य अयोध्या, सुगम्य अयोध्या, भावात्मक अयोध्या, स्वच्छ अयोध्या, आयुष्मान अयोध्या बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। कुल इस समय 103 परियोजनायें क्रियात्मक है जो लगभग 22 हजार 107 करोड़ से ज्यादा की है, तथा इस क्रियाशील परियोजनाओं में 30 कार्यकारी विभाग है। इस बैठक में मुख्य सचिव ने सम्बंधित विभाग के अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा, आवास और प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग, सिंचाई आदि विभाग के प्रमुख सचिवों से कहा कि उनके विभाग की जो योजनाएं चल रही है उसको बेहतर ढंग से करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

इस बैठक में विशेष पुलिस महानिदेशक श्री प्रशांत कुमार ने सुरक्षा सम्बंधी जानकारी दी तथा पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रवीण कुमार ने सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा 3 कन्ट्रोल रूम जो संचालित है उसके सम्बंध में जानकारी दी। जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने अयोध्या के विकास कार्यक्रमों आदि की जानकारी दी तथा बताया कि अच्छी टेंट सिटी बनाने के लिए आवास विकास विभाग द्वारा अधिग्रहित स्थान बेहतर होगा। इस पर मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग, नगर निगम को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा तथा मौके पर निरीक्षण करने को कहा। नगर आयुक्त श्री विशाल सिंह ने साफ सफाई व्यवस्था और टेंट सिटी के बारे में प्रकाश डाला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजकरन नैय्यर ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था एलो जोन रेड जोन तथा अन्य कार्यवाहियों की जानकारी दी। इस बैठक में इस बैठक में कृषि मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, सांसद श्री लल्लू सिंह, मेयर श्री गिरीश पति त्रिपाठी, विधायकगण श्री रामचन्द्र यादव, श्री वेद प्रकाश गुप्ता, डा0 अमित सिंह चौहान, एमएलसी श्री हरिओम पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह सहित अन्य गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस बैठक में मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं गृह श्री संजय प्रसाद के अलावा ऊर्जा, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई, पर्यटन, परिवहन, आवास के अलावा भारत सरकार के सुरक्षा के डीजी तथा शासन के अनेक विभागों के प्रमुख सचिवगण, पुलिस विभाग के कानून व्यवस्था, अभियोजन, सुरक्षा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री मृत्युंजय कुमार, सूचना निदेशक श्री शिशिर, मुख्यमंत्री जी के विशेष सचिवगण, मण्डल के और जनपद के अनेक अधिकारीगण, सत्ताधारी पार्टी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिन–जिन विभाग के अधिकारियों द्वारा 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ड्युटी लगायी जा रही है वह सम्बंधित विभाग अपने विभाग के अधिकारियों को रहने आदि की व्यवस्था करायें जिससे कि इस समारोह के बाद अयोध्या में ज्यादा भीड़ रहने की संभावना है इसलिए श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हों। अगले चरण में मुख्यमंत्री जी द्वारा सर्किट हाउस में सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री अयोध्या कैम्पेन के अन्तर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्पों से सम्बंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर वन्य राज्यमंत्री श्री अरूण सक्सेना उपस्थित थे। सर्किट हाउस में संत महात्माओं से मुलाकात की गयी तथा उनसे इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आहवान किया गया तथा मुख्यमंत्री जी ने लखनऊ से आये हुये तथा स्थानीय मीडियां से भी वार्ता की। अन्त में प्रदेश, मण्डल एवं जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों ने मीडिया के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

तालाब में डूबकर मासूम की मौत

अलीगढ़। अलीगढ़ के अतरौली थाना क्षेत्र में सोमवार को गायब हुए 6 वर्षीय मासूम का शव मंगलवार रात को गांव के ही एक तालाब में उतराता हुआ मिला। बच्चा गांव के दूसरे बच्चों के साथ खेलने के दौरान गायब हो गया था और उसके परिजन उसे तलाश कर रहे थे। परिजनों ने इसकी सूचना क्षेत्रिय थाने में भी दी थी। परिजनों की सूचना के बाद क्षेत्रिय पुलिस बच्चे की गुमशुदगी दर्ज करके उसे ढूंढ़ने में जुटी हुई थी। मंगलवार को गांव के लोगों ने तालाब में शव देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब शव देखा तो बच्चे के परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद उसकी शिनाख्त हो सकी। वहीं परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। अतरौली के गांव बढ़ौली निवासी दुष्यंत कुमार का 6 वर्षीय बेटा दीपक गांव के अन्य बच्चों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। क्रिकेट खेलने के दौरान वह अचानक गायब हो गया था। देर शाम तक वह घर नहीं पहुंचा था, जिसके बाद परिजनों को उसकी चिंता हुई और उन्होंने उसकी खोजबीन शुरू की थी। पूछताछ में दूसरे बच्चों ने बताया कि गेंद तालाब में चली गई थी। जिसे लेने के लिए दीपक तालाब की तरफ गया था। लेकिन काफी देर तक वह वापस नहीं लौटा। दूसरे बच्चों ने जब उसे जाकर देखा तो वह नजर नहीं आया, जिसके बाद अन्य बच्चे अपने घर लौट गए थे। इसके बाद से ही परिजन बच्चे की तलाश में जुट गए थे। जिसके बाद मंगलवार को उसका शव मिला। तालाब में डूबकर अपनी जान गंवाने वाला 6 दीपक वर्षीय दीपक अपने घर का इकलौता चिराग था। उसकी 4 बड़ी बहनें थी और वह बहनों में सबसे छोटा था। ऐसे में जब दीपक की मौत की खबर घर पहुंची तो परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल हो गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सीओ अतरौली अकमल खान ने बताया कि बच्चा खेलने के दौरान गायब हो गया था। पुलिस बच्चे की तलाश कर रही थी, जिसके बाद तालाब में उसका शव मिला। मौत के कारण स्पष्ट कराने के लिए पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा, जिसके बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

सरकारी खर्चे पर पति सहित दिल्ली जाएंगी काशी की दो महिला सफाईकर्मी, बोलीं– विश्वास नहीं हो रहा

वाराणसी। सरकारी खर्चे पर पति सहित नगर निगम की दो महिला सफाईकर्मी दिल्ली जाएंगी। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर विशेष अतिथि इन महिला सफाई कर्मियों को बुलाया गया है। कंदवा वार्ड में नरिया निवासी कमलावती देवी और सुसुवाही वार्ड में दुर्गाकुंड की रोशनी कुमारी शामिल हैं।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनपी सिंह ने कहा कि 24 जनवरी को दोनों रवाना होंगी। 25 को दिल्ली में रुकेंगी। इनके रहने, खाने पीने का पूरा प्रबंध किया गया है। 26 जनवरी को परेड कार्यक्रम में शामिल होंगी।

कमलावती ने बताया कि पहली बार जब नगर स्वास्थ्य अधिकारी का फोन आया तो विश्वास नहीं हुआ। परिवार के लोग और आस पास के लोग काफी खुश हैं। रोशनी ने बताया कि पहली बार इस प्रकार के कार्यक्रम में जाने का मौका मिला है। हर बार टीवी पर परेड देखती थी। पूरा परिवार बहुत खुश है। मेहनत करने वालों को इस प्रकार सम्मान मिलेगा यह सोचा नहीं था।

बेहतर कार्य के लिए हुआ चयन

नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सरकार की ओर से बेहतर काम करने वाली दो महिला सफाई कर्मियों का नाम मांगा गया था। रोशनी का शहर और कमलावती का देहात क्षेत्र से चयन हुआ है।

तालाबंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

बांदा। कुदरकोट थाना क्षेत्र के बिधूना इटावा मार्ग पर बेहवा में मंगलवार रात तालाबंद मकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोर घर से सामान समेट ले गए। तड़के घटना की जानकारी हुई तो पुलिस को बताया गया। जिसके बाद फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए। गांव नगला जादो निवासी गुलशन उर्फ शिवम पुत्र स्व. जनवेद यादव ने बताया की एक माह पूर्व उसके पिता जनवेद यादव की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। जिसको लेकर वह अपने गांव नगला जादो में रह रहा था। वहीं बैहवा स्थित घर में ताला पड़ा था। परिजन कभी कभार दिन में आते–जाते थे। मंगलवार रात चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाया। सुबह पड़ोसी अभिनंदन ने घर के मेन गेट की कुंडी खोली तो दरवाजा आगे से बंद था। इस पर उन्होंने सामने से निकल रहे ग्रामीण को बुलाया और उसकी मदद से दरवाजा खोले। इसके बाद वह अपनी दुकान के सामने साफ–सफाई करने लगे। तभी उनकी नजर सामने स्थित जनवेद यादव के मकान के गेट पर लटके टूटे ताले पर पड़ी। जिस पर उन्होंने फोन से स्व. जनवेद के पुत्र शिवम को सूचना दी। जानकारी पर परिजनों के साथ पहुंचे शिवम को घर के अंदर कमरे में रखे बक्से व अलमारी के ताले टूटे पड़े थे, कमरे में सामान बिखरा था। यह देख परिजनों के होश उड़ गए। कुदरकोट थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। शिवम ने बताया की दादी माया देवी के बीस हजार नकदी, एक सोने की चेन व एक लेडीज सोने की अंगूठी, एलईडी टीवी, रजाई गद्दा कंबल, बर्तन आदि चोर ले गए। लगभग दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। क्षेत्राधिकार बिधूना अशोक कुमार ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही जांच कर कार्रवाई की जाएगी। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

अतिथियों और उसके बाद आने वाले रामभक्तों के लिए बड़ी तैयारी, बैठक में हुई चर्चा

अयोध्या। 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह और उसके बाद 23 जनवरी से राम मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बड़ी तैयारी की जा रही है। इसके लिए भाजपा के चार राष्ट्रीय महासचिव और उपमुख्यमंत्री के साथ कई मंत्रियों ने प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों व राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में बैठक की।

बैठक में प्राण प्रतिष्ठा और उसके बाद देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराने पर विचार किया। उनके आवास, स्वास्थ्य, सुरक्षा और यातायात से जुड़े प्रबंधों पर चर्चा हुई। इस बारे में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बैठक से निकलने के बाद बताया कि 22 जनवरी को आमंत्रित अतिथि आएंगे। इसके बाद 23 जनवरी से देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिदिन रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालु आएंगे। इन्हें हर तरह की व्यवस्था और सुविधा उपलब्ध कराई जानी है। इसी के लिए भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में ट्रस्ट, शासन और प्रशासन की संयुक्त बैठक हुई।

उन्होंने बताया कि सभी मिलजुल कर प्रयास कर रहे हैं कि किसी भी रामभक्त को कोई कष्ट न हो। उन्हें आसानी से दर्शन मिल सके। रहने की बेहतर व्यवस्था की जा सके। ठंड के बीच बारिश हो सकती है। इसलिए सभी छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखा जा रहा है। बैठक में इन सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक अभी जारी है।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, तरुण चुग, विनोद तावड़े, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कमिश्नर गौरव दयाल, डीएम नीतीश कुमार, सांसद लल्लू सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव समेत अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सम्पादकीय

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान या राजनीतिक–चुनावी ईवेंट

अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे राम मंदिर के उद्घाटन को, जिसे तकनीकी रूप में प्राण प्रतिष्ठा आयोजन कहा जा रहा है, एक खुल्लमखुल्ला राजनीतिक और उसमें भी चुनावी ईवेंट बना दिया गया है। यह सब इतनी अशोभन नंगई से हो रहा है कि चार–चार पीठों के शंकराचार्यों ने खुलकर इसके खिलाफ आवाज उठाना और इस ईवेंट के बहिष्कार की घोषणा करना जरूरी समझा है। बेशक, उनके इस फैसले के कारण अलग–अलग हैं। इनमें, अभी अधबने मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के औचित्य से लेकर, इस आयोजन के समय तक पर आपत्तियां शामिल हैं। लेकिन, उनकी आपत्तियों में एक केंद्रीय तत्व, इस आयोजन के संघ–भाजपा द्वारा खुल्लमखुल्ला राजनीतिक–चुनावी इस्तेमाल का है। जाहिर है कि इसके साथ, हिंदू धार्मिक परंपरा में सर्वोच्च पद का दावा करने वाले शंकराचार्यों की इसकी चिंता भी शामिल है कि कथित प्राण प्रतिष्ठड्ढा समारोह के केंद्र में प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी को बैठा दिया गया है, जिसे वे एक धार्मिक आयोजन में अपने सर्वोच्च स्थान के अपहरण की तरह देखते हैं। बेशक, शंकराचार्यों के इस बहिष्कार से 22 जनवरी के प्रस्तावित ईवेंट की चमक–दमक पर शायद ही कोई फर्क पड़ेगा। इसकी वजह यह है कि अव्वल तो हिंदू धार्मिक परंपरा का जितना ज्यादा फैलाव है, उसमें उतनी ही ज्यादा विविधता है। इसका एक नतीजा यह भी है कि सर्वोच्चता के अपने–अपने दावों के बावजूद, शंकराचार्यों की भी ऐसी खास सर्वस्वीकृत सत्ता नहीं है, जैसी कि मिसाल के तौर पर ईसाई परंपरा में पोप की मानी जाती है। दूसरे, राष्ट्रड्ढीय स्वयंसेवक संघ और उसके राजनीतिक बाजुओं ने, हिंदू धर्म की अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल आदि, आदि के जरिए ही नहीं, संतों–महंतों के बीच अपने समर्थक समूह खड़े करने के जरिए भी, और खासतौर पर अयोध्या के मंदिर–मस्जिद विवाद के जोर पकड़ने के लिए साथ–साथ, परंपरागत हिंदू धार्मिक परंपरा को और कमजोर किया है तथा बहुत हद तक अपनी राजनीतिक–धार्मिक परंपरा से प्रतिस्थापित कर दिया है। इसी का नतीजा, यह कथित प्राण प्रतिष्ठड्ढा ईवेंट है, जिसके केंद्र में नरेंद्र मोदी और उनके अगल–बगल मोहन भागवत और योगी आदित्यनाथ होंगे। कुल पांच में से तीन, राजनीतिक नेता और वह भी सांप्रदायिक ब्रांड की राजनीति के नेता। हैरानी की बात नहीं है कि इस राजनीतिक–धार्मिक ईवेंट का दोहन, सिर्फ इसी तक सीमित नहीं रहने दिया गया है कि धर्मनिरपेक्ष राज्य के प्रधानमंत्री पद की मर्यादाओं को पूरी तरह से तार–तार करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी इस कर्मकांड के मुख्य होता ही नहीं बन बैठे हैं बल्कि बड़ी दीदा–दिलेरी से सत्ताधारी पार्टी के प्रचार में उन्हें उंगली पकड़कर रामलला को लाते हुए दिखाया भी जा रहा है। और किसी गफलत की गुंजाइश न छोड़ते हुए, यह साफ–साफ चुनावी नारा भी लगाया जा रहा है कि, श्जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे! मकसद एकदम साफ है। नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी की मंदिर बनाने वालों की छवि बनानी है, ताकि आने वाले चुनाव में उसे खासतौर पर भुनाया जा सके। इस मकसद के सामने, इस तरह के तथ्यों के लिए कोई जगह ही नहीं है कि अयोध्या में मंदिर, अंततरू सुप्रीम कोर्ट फैसले के आधार पर बना है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा ही निर्देशित कमेटी द्वारा उसे बनाया गया है, न कि किसी सरकार द्वारा जिसमें मोदी सरकार भी शामिल है। लेकिन, इस राजनीतिक–चुनावी उद्देश्य की पूर्ति के लिए मोदी और संघ–भाजपा की राम मंदिर बनाने वालेश की छवि गढ़ना भी काफी नहीं है। इसके लिए, आम तौर पर इस मंदिर के बनने और खासतौर पर इसके उद्ड्ढघाटन की ईवेंट का अधिकतम प्रचार करना भी उतना ही जरूरी है। और यही प्रचार, शासन पर ही नहीं मीडिया पर भी अपने लगभग मुकम्मल नियंत्रण के सहारे तो संघ–भाजपा द्वारा किया ही जा रहा है, इसके साथ ही धार्मिक भावनाओं को भुनाने में अपनी सारी संगठित ताकत झोंकने के जरिए भी किया जा रहा है। जनवरी की शुरूआत से संघ–भाजपा ने बाकायदा राम मंदिर के नाम पर मुहिम का अपना कैलेंडर ही जारी नहीं कर दिया है, इसमें देश भर में सभी हिंदू मंदिरों को लपेटने और ज्यादा से ज्यादा हिंदुओं को समेटने का भी इंतजाम कर दिया है। कोरोना के दौरान मोदीजी द्वारा लोगों को बार–बार दिए गए टास्कों से इशारा लेकर, सभी श्हिंदू मंदिरोंश, श्हिंदू परिवारोंश के लिए, 22 जनवरी के लिए और उससे पहले के लिए टास्क तय कर दिए गए हैं। और सभी हिंदुओं के लिए श्एक बार अयोध्या की तीर्थ यात्राश करने का टास्क प्रचारित किया जा रहा है, वह ऊपर से। इस आखिरी टास्क के लिए, न सिर्फ भाजपायी सरकारों को लगा दिया गया है, जो अपने तीर्थयात्रा कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर, लोगों को अयोध्या तीर्थ कराने के लिए ट्रेनों, बसों आदि की बुकिंग करने में होड़ कर रही हैं बल्कि गैर–भाजपायी सरकारें भी इसका भारी दबाव महसूस कर रही हैं। मिसाल के तौर पर आम आदमी की दिल्ली सरकार तो बाकायदा इस होड़ में शामिल नजर आती है। कुछ ऐसे ही दबाव में, कर्नाटक की कांग्रेसी सरकार ने राज्य के सभी मंदिरों से 22 जनवरी को विशेष पूजा आदि आयोजित करने के लिए कह दिया है। और जैसा कि गैर–भाजपा सरकारों द्वारा इस तरह के दबाव के सामने समर्पण से होना ही था, अब भाजपा केरल में कांग्रेस को एक प्रकार से धमका रही है कि वहां भी, राम मंदिर के उद्ड्ढघाटन के मौके पर आयोजनों का झंडा उठाए! जाहिर है कि संघ–भाजपा, केरल की वामपंथी सरकार के तो इस तरह के दबाव में आने की बात सोच भी नहीं सकते हैं। इस सिलसिले में इसका जिक्र करना भी जरूरी है कि संघ–भाजपा ने बहुत ही चतुराई से, 22 जनवरी के ईवेंट के लिए निमंत्रण को, अपना एक अतिरिक्त राजनीतिक हथियार बना लिया है। इस मौके पर आमंत्रित कुछ हजार लोगों में, राजनीतिक नेताओं को निमंत्रित करने में खासतौर पर खेल किया गया है। एक ओर सबसे पहले भेजे गए निमंत्रणों में, सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी, सीपीआई (एम) के महासचिव, सीताराम येचुरी के लिए निमंत्रण शामिल था, जिनके संबंध में कोई भी आसानी से अनुमान लगा सकता था कि वह, ऐसे आयोजन के आमंत्रण को स्वीकार नहीं करेंगे। इस आमंत्रण का मकसद ही, यह प्रचारित करने का मौका गढ़ना था कि अब भी श्राम मंदिर का विरोधश हो रहा है।

वामपंथ के अलावा वरिष्ठड्ढ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खडगे को आमंत्रित किया गया है, जिसका मुख्य मकसद कांग्रेस के लिए दुविधा पैदा करना ही नजर आता है। बेशक, संघ–भाजपा यही चाहेंगे कि वामपंथ की तरह, कांग्रेस भी इस आमंत्रण को अस्वीकार कर दे और उन्हें उसके श्राम मंदिर विरोधीश होने के अपने प्रचार को और तेज करने का मौका मिल जाए। और यही कांग्रेस की दुविधा की मुख्य वजह है, जिसके कारण इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कांग्रेस तय नहीं कर पाई है कि इस निमंत्रण को स्वीकार करे या अस्वीकार कर दे। दूसरी ओर, कांग्रेस यह भी बखूबी जानती है कि उसका इस मौके पर अयोध्या जाना, न सिर्फ उसकी धर्मनिरपेक्ष छवि को धूमिल करेगा बल्कि उसके इस आयोजन में शामिल होने का संघ–भाजपा, उसकी विचारधारात्मक कमजोरी को भुनाने के लिए ही इस्तेमाल करेंगे। बहरहाल, दुविधा में उसकी स्थिति वही होगीकृ दुविधा में दोऊ गए, माया मिली न राम! दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी, शिव सेना, राष्ट्रड्ढवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, आदि उन विपक्षी पार्टियों को सोचे–समझे तरीके से निमंत्रण नहीं दिया गया है, जिन्होंने बिना किसी खास हिचक के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया होता और इसका उपयोग भाजपा के अयोध्या कार्ड के मुकाबले, खुद को कुछ न कुछ मजबूत करने के लिए ही किया होता।

22 जनवरी को जो हो रहा है, उसके सबसे बढ़कर संघ–भाजपा के राजनीतिक–चुनावी ईवेंट होने की यह सच्चाई, इसके गिर्द उठाई जा रही प्रचार की आंधी को पंचर भी कर रही होगी। खुद को हिंदू मानने वालों के बहुमत को अब भी, न तो अपनी आस्था को सांप्रदायिक–नफरत से जोड़ना पसंद आता है और न ही अपनी धार्मिक आस्था का राजनीतिक–चुनावी इस्तेमाल उसे भाता है। शंकराचार्यों ने इस मूक बहुमत की इस भावना को ही एक प्रकार से यह कहकर स्वर दिया है कि 22 जनवरी को जो हो रहा है, मंदिर की प्राणप्रतिष्ठड्ढा का अनुष्ठड्ढान नहीं, एक राजनीतिक–चुनावी ईवेंट है।

बिल्किस बानो को राहत, लेकिन कई सवाल बाकी

2002 के गुजरात दंगों में सामूहिक बलात्कार की शिकार बिल्किस बानो को एक लंबे वक्त के बाद फिर से इंसाफ मिलने की उम्मीद जगी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार, 8 जनवरी को एक महत्वपूर्ण फैसले में बिल्किस बानो के दोषियों की जल्दी रिहाई के गुजरात सरकार के फैसले को खारिज कर दिया है। अदालत ने इस फैसले को सुनाते हुए कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां भी की हैं, जो भविष्य में न्याय की लड़ाई में राह दिखाने का काम करेगी। बिल्किस बानो पर आए फैसले से यह कड़वा तथ्य भी सामने आया है कि किस तरह सत्ता में बैठे लोग अपने सियासी फायदे के लिए कई बार अत्याचारियों पर मेहरबान होते हैं और पीड़ितों की ओर से आंखें फेर लेते हैं। हालांकि इस प्रकरण से कई जरूरी सवाल भी निकले हैं, जिनके जवाब ईमानदारी से सभ्य समाज को तलाशने होंगे, क्योंकि किसी महिला का बलात्कार करना और उसके दोषियों को सजा देने की जगह उनका स्वागत करना, समाज के बीमार होने की निशानी है। यह देश ऐसे बीमार समाज को एक लंबे वक्त से ढो रहा है। पाठक जानते हैं कि 2002 में गोधरा कांड के बाद गुजरात में जो दंगे भड़के थे, उसमें कई हजार जिंदगियां तबाह हो गई थीं। जो लोग दंगों में मारे जाने से बच गए, उनके जीवन से बाद के वक्त में धड़कनें गायब ही रहीं। अपनी ही जमीन पर धर्म के नाम पर एक पूरे समुदाय को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया गया और ढोल पीटा गया शाइनिंग गुजरात और शाइनिंग इंडिया का। इन दंगों में बिल्किस बानो के साथ उनके ही गांव के कुछ लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया, उनके सामने उनके परिवार के कई लोगों को मार दिया गया। इस हैवानियत के बाद किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिए उठ कर खड़े होना, और अपने लिए इंसाफ की लंबी लड़ाई लड़ना आसान नहीं था।लेकिन बिल्किस बानो ने अपने पति के साथ मिलकर यह लड़ाई लड़ी और आखिरकार मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने जनवरी 2008 में बिल्किस के 11 अपराधियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इन लोगों पर गर्भवती महिला का बलात्कार, हत्या और गैरकानूनी तौर पर एक जगह इकत्रा होने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में बिलकिस बानो को दो हफ्ते में 50 लाख रुपये मुआवजा, घर और नौकरी देने का आदेश दिया था। हालांकि तब गुजरात सरकार के वकील ने कहा था कि दस लाख रुपये का मुआवजा देना काफी होगा। इससे पहले गुजरात सरकार ने बिलकिस बानो को पांच लाख रुपये का मुआवजा दे चुकी थी।बलात्कार, अपने सामने अपनी बच्ची की हत्या, अपने परिवारजनों की हत्या, ऐसे दर्द को सहना मामूली बात नहीं है। कोई भी मुआवजा बिल्किस बानो की जिंदगी 2002 के पहले वाले दिनों की तरह सामान्य नहीं कर सकता। जिंदगी में आगे संभलने में थोड़ी मदद मिल जाए, इस नजरिए से ही मुआवजे की व्यवस्था की गई है। लेकिन गुजरात सरकार यहां भी मोलभाव करती नजर आई। हालांकि बिल्किस पर अभी और अन्याय होना बाकी था। 2022 के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गुजरात सरकार ने अपनी माफी नीति के तहत बिल्किस के सभी दोषियों की समय से पहले रिहाई कर दी। लिहाजा बिल्किस को फिर अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। इंसाफ की लड़ाई में एक बार फिर बिल्किस का सामना सत्ता के संरक्षण में फलती–फूलती अमानवीयता से हुआ। उसने अपने सामने अपने बलात्कारियों का स्वागत होते देखा, उन्हें संस्कारी कहते हुए सुना। बीमार समाज संस्कारों और अपराधों का फर्क नहीं कर पाया। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने बिल्किस बानो के हक में फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया है कि उसके सभी दोषी दो हफ्ते के भीतर आत्मसमर्पण करें। यानी उन्हें फिर से जेल जाना होगा। यह लगभग वही समय होगा, जब देश राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार कर दिया गया होगा। राम का महात्म्य इसी में है कि उन्होंने सीता का हरण करने वाले रावण का वध किया। लेकिन क्या मौजूदा सरकार आज के रावणों को फिर से जेल में डालेगी, ये देखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार के अपने फैसले में एक महत्वपूर्ण बात कही कि गुजरात सरकार ने जिस तरह रिहाई का आदेश दिया, वह दूसरे के अधिकार को हड़पने का मामला है। सजा माफी का अधिकार महाराष्ट्र सरकार के पास था, लेकिन रिहाई का आदेश गुजरात सरकार ने दिया। तो यहां सवाल ये उठता है कि क्या भाजपा अधिकार हड़पने वाली अपनी गुजरात सरकार पर कोई कार्रवाई नैतिकता के आधार पर करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि एक दोषी ने गलत तथ्यों को पेश कर याचिका दाखिल की थी, जो एक तरह का फ्रॉड था। ऐसे में सवाल है कि अगर अदालत के साथ इस तरह की धोखाधड़ी की जा सकती है, तो फिर आम आदमी के अधिकार कितने सुरक्षित हैं। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में गुजरात सरकार का रवैया विवादित था, इसलिए सुनवाई दूसरे राज्य में की गई। यानी शुरु से आखिर तक गुजरात सरकार किसी न किसी तरह सवालों के घेरे में है। तो फिर देश में जिस गुजरात मॉडल को प्रचारित किया गया है, वह कितना विश्वसनीय माना जा सकता है।

सबसे आखिरी सवाल बिल्किस बानो ने अपने दोषियों की रिहाई के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और लड़ाई लड़ती रहीं। मान लें कि वे एक के बाद एक अत्याचार से टूट जातीं तो क्या समाज और बेटियों को बचाने का दावा करने वाली सरकार इस अन्याय को चुपचाप देखते रहती। क्या बिल्किस बानो ने हिंदुस्तान की हर लड़की को यह संदेश दे दिया है कि अपने हक के लिए लड़ते ही रहना होगा, क्योंकि सरकार आपकी हिफाजत नहीं कर सकती।

प्राण-प्रतिष्ठा से पहले राम मंदिर,बने हुए हैं दिल, दिमाग, डर और एहसान के मुद्दे

माना जाता है कि प्रत्येक अदालत का फैसला भय या पक्षपात और स्नेह या द्वेष के बिना दिया जाता है, लेकिन भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा अयोध्या राम मंदिर भूमि फैसले पर प्रदान की गई अंतर्दृष्टि से पता चलता है कि कैसे कुछ अस्वीकृत प्रवृत्तिया राम मंदिर मामले के अंतिम निर्णय में भी प्रविष्ट हो गईं। राम मंदिर के अभिषेक में अब कुछ ही दिन बाकी हैं, ऐसे में भाजपा को छोड़कर हर राजनीतिक दल को इसी दुविधा से जूझना पड़ रहा है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने पिछले दिनों बताया कि पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ के सदस्यों में इस बात पर रजामंदी के बाद के फैसले को अदालत की एकीकृत आवाज के रूप में पेश किया जाये, उस ऐतिहासिक फैसले के लेखकत्व को गुमनाम रखने का फैसला क्यों किया गया, बजाय इसके कि इसे किसी न्यायाधीश द्वारा दिया गया फैसला कहा जाये। ध्यान रहे कि वर्तमान न्यायाधीश चंद्रचूड़ भी उन पांच न्यायाधीशों में एक थे जिन्होंने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के नेतृत्व में फैसला सुनाया था। इस मामले में संघर्ष का एक लंबा इतिहास है, देश के इतिहास पर आधारित विविध दृष्टिकोण हैं और जो लोग पीठ का हिस्सा थे, उन्होंने फैसला किया कि यह अदालत का फैसला होगा। अदालत एक स्वर से बात करेगी और ऐसा करने का विचार यह स्पष्ट संदेश देना था कि हम सभी न केवल अंतिम परिणाम में बल्कि फैसले में बताये गये कारणों में भी एक साथ खड़े हैं, सीजेआई ने कहा। लेकिन उन्होंने इस बारे में और कुछ भी बताने से इंकार कर दिया।

जाहिर है, यह डर था कि व्यक्तिगत लेखकत्व अच्छा नहीं होगा, खासकर उन वर्गों के साथ जो एक अलग परिणाम की इच्छा रखते होंगे। ऐसा कोई तरीका नहीं है कि फैसले से विवाद के प्रत्येक पक्ष को समान रूप से प्रसन्नता हुई होगी। पीठ के सामने आस्था, साक्ष्य, इतिहास, धर्म और राजनीति के मामलों से जुड़े असंगत हितों को संतुलित करने का लगभग असंभव कार्य था। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि फैसला भविष्य के लिए एक खाका प्रदान करता है कि अतीत की कथित या वास्तविक गलतियों को ठीक करने के लिए वर्तमान का उपयोग कैसे किया जाये। यह इस संदर्भ में है कि एकल सर्वसम्मत निर्णय मौजूदा स्थिति में और अधिक महत्व और प्रासंगिकता को जोड़ता है।पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान व्यक्त किये गये अपने दृष्टिकोण में निरंतरता बनाये रखी, जिसमें 38,147 पृष्ठों में फैले 11,500 अभिलेखों की जांच शामिल थी, कि अयोध्या भूमि विवाद केवल संपत्ति के बारे में नहीं था, यह दिमाग, दिल और जख्म को भरने के प्रति उपचारात्मकता के बारे में भी था। इसने स्पष्ट रूप से मुद्दे के अतिरिक्त आयामों को स्थापित किया, जिन पर पहले मामले की सुनवाई करने वाली विभिन्न अदालतों द्वारा पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया था। इस संबंध में, न्यायमूर्ति गोगोई की पीठ ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के रुख से भी हटते हुए कहा था कि यह पूरी तरह से एक स्वामित्व विवाद है जिसे केवल अदालत के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर तय किया जाना आवश्यक है। किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण प्रासंगिक मामलों पर विचार करने के लिए अदालत ने 1528 से आगे देखा, जिस वर्ष बाबरी मस्जिद का निर्माण किया गया था। तथ्य यह है कि अतीत वर्तमान को परेशान कर रहा है, तथा कांग्रेस सहित राजनीतिक दल, भव्य रूप से निर्मित मंदिर परिसर में राम की मूर्ति के अभिषेक में भाग लेने की मजबूरी और सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा इसे 2024 के संसदीय चुनावों में इसे राजनीतिक पूंजी बनाने के निर्लज्ज प्रयासों से सुरक्षित दूरी बनाये रखने की आवश्यकता के बीच फंसे हुए हैं। गोगोई की पीठ ने कहा कि मामला सिर्फ 1,500 वर्ग फुट जमीन का नहीं, बल्कि गहरी भावनाओं का है। इस मुद्दे को इसकी गंभीरता और जनता की भावनाओं तथा देश की राजनीति पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति नजरंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा, श्जो हो चुका है उसे हम पलट नहीं सकते लेकिन वर्तमान क्षण में जो मौजूद है उसमें हम आगे बढ़ सकते हैं। वह बिल्कुल नया दृष्टिकोण था। 1994 के इस्माइल फारूकी मामले में सुलझाये गये मुद्दे को फिर से खोलने से अदालत के इंकार से मुस्लिम पक्षों का रुख नरम हो गया था कि मस्जिद इस्लाम में पूजा का एक अनिवार्य हिस्सा नहीं है और नमाज खुले में भी पढ़ी जा सकती है। इससे एक ही बार में पहेली की कई गांठें कट गईं। प्रासंगिक पहलू के बारे में अदालत के व्यापक दृष्टिकोण का समान प्रकृति के अन्य मामलों पर भी प्रभाव पड़ता है। इसका तात्पर्य यह है कि मुद्दों को इसके संदर्भ से अलग करके नहीं माना जा सकता है और इसमें ऐसे कारक शामिल होते हैं जिन्हें अब तक अप्रासंगिक माना जाता था। अयोध्या मामले में दृष्टिकोण भविष्य के लिए एक आदर्श बन सकता है। जाहिर तौर पर, मथुरा शाही ईदगाह मस्जिद स्थल के मामले में भी यही स्थितियां मौजूद हैं, जिसे हिंदू भगवान कृष्ण की जन्मभूमि के रूप में दावा करते हैं। उच्चतम न्यायालय ने इस सप्ताह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ एक अपील खारिज कर दी, जिसमें मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद स्थल को कृष्ण जन्मभूमि के रूप में मान्यता देने और मस्जिद को हटाने की मांग की गई थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पहले ही कृष्ण मंदिर के बगल में स्थित मस्जिद का निरीक्षण करने के लिए एक आयोग की नियुक्ति की अनुमति दे दी है।

राष्ट्र के पुनर्निर्माण का आधार बनेगा राम मंदिर, विकास और विरासत की साझा ताकत स्पष्ट दिख रही है

आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में राम लला टैंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानि वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छिपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अर्थ में गौरवशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का सौजन्यतापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और मंत्री रहे श्री दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही श्री अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपनी संगठन क्षमता से इस आंदोलन को जनांदोलन में बदल दिया। संत रामचंद्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ जैसे संत इस आंदोलन से जुड़े और समूचे देश में इसे लेकर एक भावभूमि बनी। तब से लेकर आज तक सरयू नदी ने अनेक जमावड़े और कारसेवा के प्रसंग देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले के बाद जिस तरह का संयम हिंदू समाज ने दिखाया वह भी बहुत महत्त्व का विषय है। क्या ही अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरुर लगा देती हैं।

दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी दुनिया ने इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक–सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरूरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है, इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहास पुरुष हैं और उनकी लोकव्याप्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं।

राम शब्द संस्कृत की 'रम' क्रीड़ायाम धातु से बना है अर्थात हरेक मनुष्य के अंदर रमण करने वाला जो चौतन्य–स्वरूप आत्मा का प्रकाश विद्यमान है, वही राम है। राम को शील–सदाचार, मंगल–मैत्री, करुणा, क्षमा, सौंदर्य और शक्ति का पर्याय माना गया है। कोई व्यक्ति सतत साधना के द्वारा अपने संस्कारों का परिशोधन कर राम के इन तमाम सद्गुणों को अंगीकार कर लेता है, तो उसका चित्त इतना निर्मल और पारदर्शी हो जाता है कि उसे अपने अंतरूकरण में राम के अस्तित्व का अहसास होने लगता है। कदाचित यही वह अवस्था है जब संत कबीर के मुख से निकला होगा,

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

यानि जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है। अपनी माटी के प्रति यह भाव प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी नागरिक का भाव होना चाहिए। वे नियमों पर चलते हैं। अति होने पर ही शक्ति का आश्रय लेते हैं। उनमें अपार धीरज है। वे समुद्र की तीन दिनों तक प्रार्थना करते हैं।

विनय न मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति
बोले राम सकोप तब भय बिनु होहिं न प्रीति।

यह उनके धैर्य का उच्चादर्श है। वे वाणी से, कृति से किसी को दुख नहीं देना चाहते हैं। वे चेहरे पर हमेशा मधुर मुस्कान रखते हैं। उनके धीरोदात्त नायक की छवि उन्हें बहुत अलग बनाती है। वे जनता के प्रति समर्पित हैं। इसलिए तुलसीदास जी रामराज की अप्रतिम छवि का वर्णन करते हैं–

दैहिक दैविक भौतिक तापा, रामराज काहुंहिं नहीं व्यापा।

राम ने जो आदर्श स्थापित किए उस पर चलना कठिन है। किंतु लोकमन में व्याप्त इस नायक को सबने अपना आदर्श माना। राम सबके हैं। वे कबीर के भी हैं, रहीम के भी हैं, वे गांधी के भी हैं, लोहिया के भी हैं। राम का चरित्र सबको बांधता है। अनेक रामायण और रामचरित पर लिखे गए महाकाव्य इसके उदाहरण हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त स्वयं लिखते हैं–

राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है
कोई कवि बन जाए, सहज संभाव्य है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के ऐसे वटवृक्ष हैं, जिनकी पावन छाया में मानव युग–युग तक जीवन की प्रेरणा और उपदेश लेता रहेगा। जब तक श्रीराम जन–जन के हृदय में जीवित हैं, तब तक भारतीय संस्कृति के मूल तत्व अजर–अमर रहेंगे। श्रीराम भारतीय जन–जीवन में धर्म भावना के प्रतीक हैं, उनमें मानवोचित और देवोचित गुण थे, इसीलिए वे ष्मर्यादा पुरुषोत्तमष कहलाए। भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र भारत की सीमाओं को लांघकर विदेशियों के लिए भी शांति, प्रेरणा और नवजीवनदायक बनता जा रहा है। श्रीराम धर्म के साक्षात् स्वरूप हैं, धर्म के किसी अंग को देखना है, तो राम का जीवन देखिये, आपको धर्म की असली पहचान हो जायेगी। धर्म की पूर्णता उनके जीवन में आद्यन्त घटित हुई है। श्रीराम ने लौकिक धरातल पर स्थिर रहकर धर्म एवं मर्यादा का पालन करते हुए मानव को असत्य से सत्य की ओर, अधर्म से धर्म की ओर तथा अन्याय से न्याय की ओर चलने की प्रेरणा दी है। कर्त्तव्य की वेदी पर अपने व्यक्तिगत सुख–प्रलोभनों की आहुति श्रीराम की जीवन कहानी का सार है। संसार में महापुरुष अपने जीवन, गुण, कर्म, स्वभाव, कर्त्तव्य, बुद्धि, तप–त्याग और तपस्या से जो अमर जीवन–संदेश देते हैं, वही मानवता की स्थायी धरोहर होती है। हमारा सौभाग्य है कि हम ऐसे दैवीय गुणों के धनी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र की संतानें हैं। श्रीराम का प्रेरक चरित्र भूली–भटकी मानव जाति में नवजीवन चेतना का संचार कर सकता है। उनके जीवन की घटनाएं आज के भोगी विलासी और मानवता का गला घोंटने वाले नामधारी मनुष्य को बहुत कुछ सोचने, करने और जीने की प्रेरणा दे सकती है। उनके जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप से अमर संदेश मिलता है। श्रीराम के द्वारा दर्शित आदर्शों एवं जीवन मूल्यों का भारतीय समाज में बहुत ऊंचा स्थान है। यदि हम सबक लेना चाहें, तो रामायण की प्रत्येक घटना से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

लक्ष्मण जी का श्रीराम जी के साथ वन–गमन करना, भरत जी का राज्य को ठुकराना, पादुका रखकर शासन–व्यवस्था चलाना, परस्पर भाइयों की प्रीति का श्रेष्ठ उदाहरण है। आज भाई–भाई एक दूसरे के रक्त के प्यासे हो रहे हैं, परिवार परस्पर की कलह के कारण टूट रहे हैं। सर्वत्र स्वार्थ, अहंकार और अकेले भोगने की भावना उद्दाम हो रही है। ऐसे में रामायण हमें शिक्षा देती है कि नश्वर सुख–भोग और धन–धाम–धरा के लिए परस्पर लड़ना नहीं चाहिए। चित्रकूट प्रवास–काल में शूर्पणखा द्वारा श्रीराम को अपनी ओर आकर्षित करके विवाह का प्रस्ताव रखने पर राम द्वारा दृढ़ता से मना कर देना प्रेरणा देता है कि यदि जीवन को सुखी और शान्तिमय बनाना है, तो एक पत्नीव्रत का आचरण करना चाहिए। स्वर्णमृग को देखकर सीताजी का उसे पाने की इच्छा करना तथा भगवान राम द्वारा मायावी मृग को पाने के लिए पीछे दौड़ना और सीता जी का हरण हो जाने की घटना आज के जीवन प्रसंगों को बहुत कुछ प्रेरणा दे सकती है। आज का मनुष्य धन की मृगतृष्णा के पीछे पागलों की तरह दौड़ा जा रहा है, जो प्राप्त है उससे संतुष्ट नहीं हो पा रहा है। विज्ञान की चमकीली, भड़कीली, दिखावटी, बनावटी चीजों के पीछे दिन–रात अधर्म–असत्य, छल–प्रपंच का सहारा लेकर दौड़ा जा रहा है। इससे हानि यह हुई है कि आत्मारूपी सीता छिन गई है, भौतिकवादी व्यक्ति सिर्फ शरीर के लिए जीने लगा है तथा इसी मृगतृष्णा में वह जीवन का अंत कर लेता है। रामायण कहती है दुनिया में आंखें खोलकर चलो, सभी चमकने वाली चीजें सोना नहीं होती हैं। चमक–दमक में व्यक्ति हमेशा धोखा खाता है, इसी धोखे में आत्मरूपी सीता का रावण द्वारा हरण होता है तथा बाद में राम–रावण का निर्णायक युद्

हाईकोर्ट ने एक ही मामले में दो आदेश देने वाले देवरिया सदर एसडीएम के खिलाफ जांच के दिए आदेश

एसडीएम सदर के खिलाफ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। संशोधन वाद के एक मामले में दो अलग–अलग आदेश पारित करने पर हाईकोर्ट ने उप जिलाधिकारी जौनपुर के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है।

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ही मामले में दो विपरीत आदेश करने वाले देवरिया के एसडीएम सदर के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव राजस्व से कहा है कि कलेक्टर देवरिया से रिपोर्ट प्राप्त कर एक उच्चस्तरीय जांच गठित करें और इसे एक निश्चित समयावधि में पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह आदेश न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र ने देवरिया के शिव नारायण तिवारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

याची की ओर से कहा गया कि उसने राजस्व रिकॉर्ड के इंद्राज में संशोधन का वाद एसडीएम न्यायालय में दाखिल किया था। इस पर एसडीएम ने 17 अगस्त 2023 को दो आदेश दिया। एक आदेश में उन्होंने वाद खारिज कर दिया जबकि दूसरे आदेश में वाद को स्वीकार कर लिया और इंद्राज में संशोधन का आदेश दिया। इन दोनों आदेश को बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के आरसीएमएस पोर्टल पर अपलोड भी कर दिया गया। इसके बाद इनमें से एक आदेश को पोर्टल से डिलीट कर दिया।

कोर्ट ने मामले में यूपी सरकार से जवाब मांगा था। यूपी सरकार की ओर से कहा गया कि एक ही

तारीख पर दो आदेश हुए थे। एक आदेश पर हस्ताक्षर नहीं था, वहीं गलती से पोर्टल पर अपलोड हो गया। बाद में वह डिलीट कर दिया गया। इस मामले में एसडीएम कार्यालय के रीडर चंद्रभान चौरसिया और राजस्व अलहमद हरेंद्र पाल के खिलाफ जांच एडीएम वित्त को सौंपी गई है।

कोर्ट ने कहा कि जिन दो कर्मियों के खिलाफ जांच बैठाई गई है। न्यायिक या अर्धन्यायिक आदेश करने में उनकी कोई भूमिका नहीं होती है। आदेश करने के दोषी एसडीएम योगेश कुमार गौर के खिलाफ कोई जांच नहीं गठित की गई है।

कोर्ट ने कलेक्टर देवरिया को आदेश दिया कि एसडीएम सदर को तलब कर लिखित रूप से उनका पक्ष जानें और एडीएम से रिपोर्ट लेकर अपनी एक रिपोर्ट तैयार करें तथा उसे प्रमुख सचिव राजस्व को प्रेषित करें। कोर्ट ने प्रमुख सचिव राजस्व से कहा है कि वह कलेक्टर की रिपोर्ट मिलने के बाद उच्चस्तरीय जांच गठित करें और जांच कमेटी की रिपोर्ट से इस न्यायालय को अगवगत कराएं।

कबाड़ी की गला रेतकर हुई हत्या, फरार दोस्त पर हत्या का है शक, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

कानपुर। कानपुर में जाजमऊ के ताड़बिगया में कबाड़ी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक का रक्तरंजित शव उसकी झोपड़ी में पड़ा मिला। सूचना पर डीसीपी पूर्वी समेत फॉरेंसिक टीम पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस को मृतक के जीजा माजम का आरोप हैं कि उसके साथी असदुद्दीन पर हत्या कर उसका मोबाइल और कबाड़ वाली जुगाड़ गाड़ी लेकर भाग निकला है।

मामले पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। इस दौरान पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज तलाश कर रही है। वहीं, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए रेलबाजार और कैंट थाने

से टीमें रवाना की गईं हैं। वहीं, पूछताछ के लिए आरोपी के परिजनों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, मृतक के शव को पोस्टमार्टम में लिया गया है।

मूलरूप से असम के जिला व थाना बरपेटा के हनकुशी कूलूनी निवासी माजम हुसैन ने बताया कि उनका साला सादिक (22) कबाड़ का काम करता था। बताया कि वह अपने परिवार के साथ गत सात साल से यहां बस्ती में रह रहे हैं। इसके पहले वह लोग पनकी के कांशीराम कॉलोनी में रहकर कबाड़ का काम करते थे।

मंगलवार सुबह से सादिक का फोन लगातार बंद बता रहा था

अब वे पिछले सात माह से जाजमऊ के ताड़बिगया झुग्गी झोपड़ी में रह रहे हैं। माजम ने बताया कि उनका साला सादिक एक साल से उनके साथ शहर में रह रहा था। वह यहां पर अलग झोपड़ी में रहता था और अपने साथी आरोपी असरुद्दीन के साथ ही ज्यादा समय बिताता था। माजम ने बताया कि मंगलवार सुबह से सादिक का फोन लगातार बंद बता रहा था।

झोपड़ी में पड़ा था सादिक का रक्तरंजित शव

शाम करीब साढ़े सात बजे जब वह सादिक की झोपड़ी के पास ठेकेदार से रुपये लेने गए, तो सादिक की झोपड़ी में गए । यहां पर उन्हें सादिक का रक्तरंजित शव पड़ा मिला। माजम ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर डीसीपी पूर्वी तेज स्वरूप सिंह, एसीपी कैंट अंजलि विश्वकर्मा समेत फॉरेंसिक टीम पहुंची और साक्ष्य जुटाए।

मोबाइल और कबाड़ वाली जुगाड़ गाड़ी लेकर फरार

मृतक के जीजा माजम ने उसके साथी असरुद्दीन पर गला रेतकर हत्या कर देने का आरोप लगाया है। साथ ही मृतक का मोबाइल और उसकी कबाड़ वाली जुगाड़ गाड़ी भी साथ लेकर जाने की बात कही है। डीसीपी पूर्वी तेज स्वरूप ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृतक की गला रेतकर हत्या होने की पुष्टि हो हो रही है। मृतक के जीजा ने उसके साथी पर आरोप लगाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज। उसके साथी की तलाश की जा रही है।

मृतक की मां की पहली हो चुकी मौत, पिता ने की शादी

लोगों ने बताया कि आरोपी के पिता हबीजुद्दीन की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है । आरोपी असरुद्दीन उनका ही बेटा है। इसके बाद हबीजुद्दीन ने दो शादियां की । इससे परिवार और बच्चे भी हैं। मामले में पुलिस ने परिवार के कुछ लोगों में साथ ही मोबाइल फोन भी कब्जे में लिया हैं।

15 दिन पहले आरोपी और पत्नी का हुआ विवाद, फिर छोड़ आया था घर

आसपास के लोगों ने बताया कि 15 दिन पहले आरोपी असरुद्दीन का उसकी पत्नी अख्तरा से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बताया कि आरोपी का घर काफी आना–जाना था। अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या के पीछे कहीं प्रेम संबंध तो नहीं । बताया जा रहा है कि संभवत पत्नी और बच्चें को घर में पहुंचा ने के बाद आरोपी ने सोची समझी रणनीति के तहत घटना को अंजाम दिया। फिर यहां से फरार हो गया। हालांकि पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है। घटना का खुलासा जल्द होने की बात कही जा रही है।

5- महिलाओं ने दिया लावारिश शवों को कंधा

कानपुर नगर। समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा लावारिश शवों को ससम्मान कन्धादान के पांच दिवसीय अभियान के अंतर्गत मंगलवार को पोस्टर्माअम हाउस में बौद्ध समुदाय द्वारा कन्धान किया गया, जिसमें बौद्ध धाम्म की महिलाओं ने बढचढ कर अपनी भागीदारी निभाई। लावारिश लाशो

को सम्मान पूर्वक उनका अंतिम संस्कार हो सके इसके लिए समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा बीते कई वर्षो से प्रयास किया जा रहा है। मंगलवार को कन्धान के समय बडी संख्या में उपस्थित महिलाओं व गणमान्यजनों की उपस्थित में पंचशील व त्रिशहरण का पाठ कर दिवंगतो की आत्म शांति हेतु प्रार्थना की गयी। यह अभियान समिति के सचिव व प्रबन्ध धनीराम पैंथर द्वारा चलाया जाता है जिनका उददेश्य है न कोई लावारिश पैदा हुआ न कोई लावारिश मरेगा। धनीराम ने बताया कि अभी तक 15500 से अधिक लावारिस शवों को अंतिम संस्कार ससम्मान कराया जा चुका है।उन्होने आम जनमानस से अपील की कि हमें कफन दें, चादर दें, बांस दे, पन्नी दें और यह भी न दे सकें तो लावारिश शवों को कन्धा देकर उन्हे अतिंम मंजिल तक पहुंचाने में मदद करे। इस दौरान बडी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने लावारिश शवों को कंधा देकर समाज को संदेश देने का काम किया साथ ही सभी ने इस मानवादी मुहिम की सराहना की। आखिरी गन्तव्य पर महिलाओं ने मुखाग्नि भी दी।

टैंकर और कार की जोरदार भिड़ंत, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष की मौत, परिजनों का बुरा हाल

उरई/जालौन (यूएनएस)। औरैया जिले में सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सत्तेस्वर निवासी शाह प्रभू दयाल स्कूल के संचालक की कार में तेज रफ्तार टैंकर ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में स्कूल संचालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर चिचोली पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया। मृतक के पास से मिले कागजों से पहचान कर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। मोहल्ला सत्तेस्वर निवासी भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अंकुर पोरवाल पुत्र स्व. अरविंद पोरवाल बुधवार को अपनी कार से किसी काम से निकले थे। जैसे ही उनकी कार जालौन चौराहा के पास ओवरब्रिज पर पहुंची ही थी। तभी सामने से तेज रफ्तार से आ रहे टैंकर चालक कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक की तरफ का कार का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इससे कार चला रहा अंकुर कार में अंदर फंस गया। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आईआईटी बीएचयू केस-विनोद उपाध्याय एनकाउंटर पर कांग्रेस का प्रदर्शन,

पूर्व मंत्री समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता ने किया विरोध

लखनऊ। आईआईटी बीएचयू में छात्रा के साथ हुई घटना, सुल्तानपुर में विनोद उपाध्याय के एनकाउंटर समेत उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस बुधवार को सड़क पर उतरी है। राजधानी लखनऊ में पूर्व मंत्री नकुल दुबे और जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट का घेराव किया गया। लखनऊ पुलिस ने कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर सैकड़ो की संख्या में फ्लैग मार्च कर रहे कांग्रेसियों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने कानून व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी की और उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए है। बता दें उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिलों में कानून व्यवस्था को लेकर बुधवार को प्रदर्शन करने का ऐलान किया गया था। यूपी कांग्रेस कमेटी की तरफ से दिए गए ज्ञापन में लिखा गया है कि आज पूरा प्रदेश अपराध की आग में जल रहा है। अपराधी बेखौफ होकर दिन–प्रतिदिन अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। वर्ष 2023 की एनसीआरबी रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश महिलाओं के प्रति अपराधों के मामलों में पहले स्थान पर है। इसी रिपोर्ट के अनुसार भारत में होने वाले अपराधों में 15 प्रतिशत अपराध उत्तर प्रदेश में होते हैं।राष्ट्रपति हालात कितने बदत्तर हो गये हैं। इसे इससे ही समझा जा सकता है कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 02 नवम्बर, 2023 को आई.आई.टी. बी. एच.यू. की छात्रा की तीन भाजपा के युवाओं द्वारा बेखौफ होकर जबरन गनप्वाइंट पर नग्न वीडियो बनायी गयी और उसके साथ दुष्कर्म किया गया।05 नवम्बर, 2023 को सी.सी.टी.वी. फुटेज एवं 08 नवम्बर, 2023 को पीड़िता द्वारा भी उनकी पहचान कर लेने और आरोपियों की पुष्टि होने के बावजूद भाजपा द्वारा उन्हें बचाने की नीयत से मध्य प्रदेश चुनाव में भेज दिया गया।आरोपियों की पहचान होने के बाद भी उनको गिरफ्तार करने में दो महीने क्यों लग गये, इस पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है कि क्या 5 राज्यों में चुनाव के कारण भाजपा आरोपियों को बचा रही थी? अगर छात्रों और माननीय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जी का इस मामले पर दबाव नहीं होता तो शायद ही आरोपी पकड़े जाते।यह स्पष्ट रूप से संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है और दुर्भाग्य तो यह है कि यह घटना भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की है और इस घटना को अंजाम देने वाले भारतीय जनता पार्टी के ही पदाधिकारी रहे हैं। राष्ट्रपति इसके मद्देनजर रखते हुए हम कांग्रेसजन आपसे तीन प्रमुख मांग करते हैं।

उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाये। वाराणसी की बेटियों की भावनाओं का ख्याल रखते हुए बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ का नारा देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस घटना के लिए देश की बेटियों से माफी मांगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने घटना में भाजपा से सम्बन्धित लोग शामिल हैं कहने पर उनके ऊपर मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जी का यह कथन बाद में सच साबित हुआ, अतः उनके ऊपर दर्ज मुकदमे को तत्काल वापस लिया जाये।

बीबीएयू में यूनिवर्सिटी डे पर हंगामा,छात्रों ने रजिस्ट्रार को बाबा साहब का माल्यार्पण करने से रोका

लखनऊ। बीबीएयू यानी बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को शुरू हुआ छात्रों का हंगामा दूसरे दिन भी जारी रहा। इस बीच 10 जनवरी को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के मौके पर मनाए जाने वाले यूनिवर्सिटी डे कार्यक्रम में भी जमकर बवाल हुआ। बुधवार सुबह बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि करने पहुंचे रजिस्ट्रार समेत तमाम प्रशासनिक अफसरों को प्रदर्शन रहे छात्रों ने प्रतिमा तक पहुंचने नही दिया। छात्रों का आरोप हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन बाबा साहब को अपमानित करने वाले छात्रों के खिलाफ एक्शन नही ले रहा हैं, दिखावट के लिए माल्यार्पण कर ढोंग कर रहा हैं। इस पूरा घटनाक्रम से जुड़ा वीडियो भी सामने आया हैं। जिसमें छात्रों द्वारा रोके जाने के बाद रजिस्ट्रार समेत तमाम प्रशासनिक अफसर बिना श्रद्धांजलि अर्पित किए ही प्रतिमा स्थल से बेरंग लौट गए।दरअसल 10 जनवरी को पहले बीबीएयू अपना स्थापना दिवस मनाता था। इसी दिन साल 1996 में केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। पर कुलपति प्रो.संजय

सिंह के आने के बाद विश्वविद्यालय ने स्थापना दिवस बाबा साहब की जयंती 14 अप्रैल को मनाने का निर्णय किया और इस दिन यानी 10 जनवरी को यूनिवर्सिटी डे के रूप में मनाए जाने की शुरुआत हुई। बुधवार सुबह, यूनिवर्सिटी डे के आयोजन शुरू होने से विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अश्विनी सिंह की अगुवाई में प्रॉक्टोरियल बोर्ड के कई सदस्य बाबा साहब की मुख्य प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि करने पहुंचे। इस दौरान वहां पहले से मौजूद छात्र–छात्राओं के गुट ने हंगामा शुरू कर दिया। छात्रों का आरोप था कि बाबा साहब के खिलाफ खुलेआम अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया जा रहा हैं। उनका अपमान किया जा रहा हैं पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने चुप्पी साध रखी हैं। कई बार शिकायत के बावजूद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नही हो रही हैं। इससे यह प्रतीत होता कि विश्वविद्यालय की खुद इन सब विवादों में संलिप्तता हैं। ऐसे ही आरोप लगाकर छात्रों ने रजिस्ट्रार समेत तमाम अफसरों को वापस लौटा दिया। इस बीच यूनिवर्सिटी डे पर होने वाले आयोजनों में छात्रों द्वारा हंगामा करने की आशंका के बीच परिसर में पुलिस बल की भी तैनाती की गई हैं। निजी एजेंसी के गार्ड के अलावा बड़ी संख्या में पुलिस के जवान भी लगाए गए हैं। छात्रों के और ज्यादा उग्र होकर प्रदर्शन करने पर दूसरा गुट के छात्रों के सामने आने की आशंका के बीच फोर्स की तैनाती की गई हैं।

रामलला के दर्शन करने पैदल निकले रामभक्त,

800 किलोमीटर पैदल चलकर अयोध्या पहुंचेंगे हरियाणा–दिल्ली के युवा

अलीगढ़। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होना है। इसके लिए देश भर से भगवान राम के भक्त अयोध्या पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अलीगढ़ और आसपास के जिलों व राज्यों से भी रामभक्त अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं। भगवान राम के यह भक्त पैदल ही अयोध्या की यात्रा करने के लिए निकले हैं। भगवान श्रीराम की जय–जयकार करते हुए यह रामभक्त पैदल ही अयोध्या की यात्रा कर रहे हैं और 22 जनवरी को यह अयोध्या पहुंचेंगे। यहां पर यह रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे और प्रभु का आशीर्वाद लेंगे। सनातन धर्म की अखंडता और एकता का संदेश लेकर हरियाणा से 5 दोस्त अयोध्या की ओर रवाना हुए हैं। भगवार राम की जय–जयकार करते हुए इन 5 दोस्तों ने पैदल ही 800 किलोमीटर की यात्रा करने की ठानी है और 22 जनवरी तक अयोध्या पहुंचने का लक्ष्य भी बनाया है। हरियाणा झज्जर निवासी रोहित दलाल, धीरज कुमार व मनदीप कुमार 1 जनवरी को रामलला के दर्शन करने के लिए पैदल चले थे। रास्ते में उन्हें दिल्ली के शिवपुरी निवासी सौरभ गोस्वामी और उत्तमनगर के लोकेश ओझा भी मिल गए। वह भी पैदल यात्रा करके अयोध्या जाने के लिए निकले थे। जिसके बाद यह पांचों युवा एक साथ हो गए। अयोध्या के लिए पैदल यात्रा पर निकले यह पांचों युवा कड़ाके की ठंड में भी बिना घबराए हुए आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम और बजरंगबली के जयकारे लगाते हुए युवा भगवा झंडा लिए व पीठ बैग टांगे हुए आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान यह अलीगढ़ से होकर गुजरे। उन्होंने बताया कि वह हर दिन 50–60 किलोमीटर की यात्रा कर रहे हैं। राम भक्तों ने बताया कि जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला मंदिर के पक्ष में आया था, तो इसके बाद ही उन्होंने अयोध्या की पैदल यात्रा करने की मन में ठान ली थी। जब राम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तो सभी उत्सुकता से इसका इंतजार कर रहे थे। अब जब मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है तो उन्होंने अपनी यात्रा शुरू कर दी है। 18 जनवरी तक उनका अयोध्या पहुंचने का लक्ष्य है, जिसके बाद वह 22 को प्रभु के दर्शन करेंगे। श्रीराम भक्ति के मामले में अलीगढ़ के युवा भी हरियाणा–दिल्ली से पीछे नहीं हैं। चंडौस कस्बे के टीचर्स कॉलोनी निवासी एक रामभक्त भी बुधवार को अयोध्या की पैदल यात्रा पर निकल पड़ा। एक ओर जहां उसके परिजनों ने उसका हौसला बढ़ाया, वहीं गांव के लोगों ने भी फूल माला से उसका स्वागत किया। चंडौस के टीचर्स कॉलोनी निवासी अमित शर्मा भगवान श्रीराम के दर्शन करने के लिए बुधवार को अयोध्या की यात्रा पर रवाना हुए हैं। हाथों में भगवा झंडा और पीठ पर बैग टांगकर वह पैदल अयोध्या के लिए निकले हैं। इस मौके पर उनकी बहन ने तिलक लगाकर उन्हें विदा किया। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों ने भी फूल माला पहनाकर रामभक्त का अभिनंदन किया और जयकारे लगाते हुए उन्हें रवाना किया।

हल्की धूप खिली तो मिली राहत

लखनऊ। जनवरी में एक ओर जहां लोगों को शीतलहर और कोहरे से परेशान होना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर बदले हुए मौसम के कारण बारिश का सामना भी करना पड़ रहा है। राजधानी में बीती रात और अलसुबह बारिश हुई थी, जिससे मौसम में ठंडक और ज्यादा बढ़ गई। लेकिन बुधवार को दोपहर बाद हल्की धूप निकली तो लोगों ने राहत की सांस ली। धूप निकलने पर शीतलहर का असर भी कम हुआ और लोग अपने घर के बाहर निकलकर और छतों में बैठकर हल्की धूप का आनंद लेते नजर आए। लेकिन आगामी कुछ दिनों तक बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। जिसके चलते कृषि विभाग ने गाइडलाइन जारी की है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी व प्रभारी जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक बारिश के आसार बने रहेंगे। रबी के मौसम में ये बारिश अनाज वाली फसलों गेहूं–जौ के लिए मुफीद है और फसलों को इसका फायदा मिलेगा। लेकिन सब्जी और तिलहन–दलहन में यह बारिश कई रोग लग सकते हैं। इसलिए किसानों को अपनी तिलहन–दलहन की फसल को बचाने के लिए सतर्क रहना होगा। फसल बचाने के लिए सबसे जरुरी है कि प्रतिदिन खेती की निगरानी की जाए। अगर पौधे के पत्ते में रोग दिखाई दें, तुरंत उन्हें उखाड़कर जमीन में दबा दें। जयादा रोग दिखे तुरंत विशेषज्ञों की सलाह लें और एहतियातन एक फफूंद नाशक का छिड़काव करें।

जीएसटी चोरी में 14.18 करोड़ रुपए की वसूली,

चार साल से आय कम दिखा और कागजों में हेर-फेर करने पर विभाग ने पकड़ी गलती

लखनऊ। जीएसटी चोरी करने वाले दवा कारोबारी ने स्टेट जीएसटी से 14.18 करोड़ रुपए वसूले है। विभाग के डाटा एनालिसस में यह बात सामने आई है। जांच में यह बात सामने आई कि दवा कारोबारी साल 2020–21 के बाद लगातार कम टैक्स दे रहा था। उसके बाद विभाग की तरफ से जांच तेज की गई। इसमें चार साल की चोरी पकड़ी गई। इसके बाद अलग–अलग साल को जोड़ते हुए कारोबारी से जीएसटी अधिकारियों ने 14.18 करोड़ रुपए की वसूली कर ली है। विभाग के अधिकारी अरूण शंकर राय ने बताया कि शुरू में कारोबारी और फर्म वास्तविक करदेयता स्वीकार नहीं कर रहा था। उसके बाद मौके पर जांच करने वाली टीम को भेजा गया। स्थलीय सर्वेक्षण के लिए उपायुक्त विजय पाल सिंह को प्रापर आफिसर बनाते हुए भेजा गया। जांच में यह तथ्य प्रमाणित हो गया कि वित्तीय वर्ष 20–21,21–22,22–23 में जीएसटी जमा नहीं किया गया। उसके बाद मौके पर अलग–अलग साल के हिसाब से कारोबारी ने 2.40 करोड़ रुपए, 5.11 करोड़ रुपए, 1.18 करोड़ रुपए और 5.49 रुपए जमा किया गया। अभी तक विभाग के पास कारोबारी की तरफ से 14.18 करोड़ रुपए जमा करा दिया गया है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अभी जांच चल रही है। ऐसे में नाम नहीं दिया जा रहा है। हालांकि ऐसे ही कई दवा कारोबारियों पर टैक्स चोरी की आशंका है। कोविड के बाद से बड़े स्तर पर टैक्स चोरी का मामला सामने आने की बात है। लखनऊ में ट्रांसपोर्ट नगर और अमीनाबाद मेडिसीन बाजार दवा कारोबार का सबसे बड़ा अड्डा है।

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष की छत पर चढ़ा सांड़

पालिका कर्मियों ने रात को कड़ी मशक्कत कर किया रेस्क्यू

उरई/जालौन। जालौन में छुट्टा जानवर लोगों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप वर्मा का गृह नगर कोंच भी इससे अछूता नहीं रहा। मंगलवार देर रात कोंच नगर पालिका की पूर्व पालिकाध्यक्ष सरिता आनंद अग्रवाल के घर की छत पर एक सांड़ चढ़ गया। सांड़ को नीचे उतारने में लोगों के पसीने छूट गए। रात में इसकी सूचना पालिका के कर्मचारियों को दी। तब कहीं जाकर कड़ी मशक्कत के बाद सांड़ को रेस्क्यू कर नीचे उतारा जा सका, शाम को छत पर देख लोगों का हुजूम लगा रहा। सांड़ का छत पर चढ़ने की घटना कोंच कोतवाली क्षेत्र के पटेल नगर की है। जहां पूर्व पालिकाध्यक्ष सरिता आनंद अग्रवाल का एक पुराना मकान है, इस मकान में देर रात को पहली मंजिल पर अचानक एक सांड चढ़ गया, सांड को छत पर चढ़ा देख घर के लोग डर गए और पूरे घर मे हड़कंप मच गया, सांड के छत पर चढ़ने का कारण घर में दरवाजा लगा न होना बताया गया। इस घटना को देख घर के लोगों ने आस पड़ोस और नगर पालिका प्रशासन को सूचना दी। वही देर रात तक सांड को उतारने के लिए रेस्क्यू चलता रहा जिसने कड़ी मशक्कत करने के बाद सांड को नीचे उतारा, तब कहीं जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

दफनाए जाने के बाद बांदा पुलिस ने कांग्रेस नेता को दी सलामी, महकमे में शर्मिंदगी

बांदा, (यूएनएस)। अपराधियों को पकड़ने में अक्सर लेटलतीफ रहने वाली पुलिस कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकतंत्र रक्षक सेनानी (मीसाबंदी) जमीरुद्दीन सिद्दीकी (मास्टर साहब) की अंत्येष्टि के बाद पहुंची। पार्थिव शरीर को दफनाए जाने के बाद उसने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पुलिस कर्मियों की लापरवाही से जहां महकमे को शर्मिंदगी उठानी पड़ी, वहीं नेताओं में भी नाराजगी दिखी। लोकतंत्र रक्षक सेनानी (मीसाबंदी), वालीबॉल के वरिष्ठ खिलाड़ी व पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के बड़े भाई जमीरुद्दीन सिद्दीकी का सोमवार रात लखनऊ में इंतकाल हो गया था। वह लगभग 82 वर्ष के थे। मंगलवार तड़के जनाजे में शामिल होने के लिए नसीमुद्दीन अपने परिवार के साथ बांदा पहुंचे। कांग्रेस के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष व जालौन के पूर्व सांसद ब्रजलाल खाबरी सहित पूर्व विधायक शिरोमणि, कांग्रेस के प्रांतीय नेता अखिलेश शुक्ल, सपा प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, भाजपा नेता सौरभ समेत बड़ी तादाद में विभिन्न धर्मों के लोग मौजूद रहे। मदरसा हथौरा के मौलाना कारी हबीब अहमद ने नमाज अदा कराई। जमीरुद्दीन का पार्थिव शरीर जब सुपुर्द ए खाक कर दिया गया तो पुलिस ने लोकतंत्र रक्षक सेनानी को गार्ड ऑफ ऑनर देने की सुधि ली। मौके पर सशस्त्र पुलिस की टुकड़ी ने सलामी की रस्म अदा की। शहर कोतवाल अनूप दुबे का कहना था कि पूर्व मंत्री के भाई के निधन की सूचना मिली थी। लेकिन लोकतंत्र सेनानी होने की जानकारी नहीं थी। जानकारी होने पर टुकड़ी सलामी देने पहुंची थी। पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि भाई के इंतकाल की सूचना उन्होंने सुबह डीएम को दे दी थी। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने पुलिस को इस बाबत निर्देश दे दिए थे, लेकिन शहर कोतवाली की पुलिस टुकड़ी शाम को तब पहुंची जब पार्थिव शरीर दफनाया जा चुका था। लोकतंत्र रक्षक सेनानी नौशाद अली भारती ने इस लापरवाही की निंदा की। कहा कि उन्होंने संगठन अध्यक्ष को भी फोन पर अवगत करा दिया था।

जेएन मेडिकल कालिज के दो चिकित्सकों को सम्मानित किया गया

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जे.एन. मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग के प्रोफेसर अदीब आलम खान और प्रोफेसर अब्दुल वारिस को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके लंबे शिक्षण अनुभव और योगदान के लिए भारत के प्रतिष्ठित नेत्र शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें आर.पी. सेंटर फॉर ऑप्थैल्मिक साइंसेज, एम्स नई दिल्ली में आयोजित फोरम ऑफ ऑप्थेलमिक टीचर्स ऑफ इंडिया की 7वीं नेशनल असेंबली के दौरान प्रदान किया गया। प्रोफेसर अदीब आलम खान ने कांफ्रेंस में प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा के विकास के लिए एक जोखिम कारक 'डायबिटीज मेलिटस टाइप 2' पर भी व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में, प्रोफेसर आलम ने इसकी शीघ्र पहचान और उपचार के लिए मधुमेह जनसंख्या स्क्रीनिंग कार्यक्रमों में ग्लूकोमा को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे अपरिवर्तनीय अंधापन का बोझ कम हो सके।

बाइक सवार दो लोगों को कार ने मारी–टक्कर,हादसे में एक की मौत, दूसरा घायल

बांदा। जनपद में बाइक सवार दो भाइयों को सामने से आई कार ने टक्कर मार दी। जिसकी वजह से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां पर डॉक्टर ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे घायल का इलाज जारी है।

आपको पता दें कि पूरा मामला कमासिन थाना क्षेत्र अंतर्गत आमेडी देविन पूरवा का है। जहां के रहने वाले राजन अपने भाई के साथ सीएनजी ऑटो खरीदने के लिए घर से निकले थे, तभी बबेरू का कमासिन मार्ग पर पेट्रोल पंप के नजदीक सामने से आई 4 पहिए ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसकी वजह से बाइक में बैठे एक लोगों की मौत हो गई, वही दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसका इलाज जारी है। वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक राजन के भाई ने बताया कि राजन नासिक में प्राइवेट में नौकरी करता था। वह एक माह पहले अपने गांव आया हुआ था। यहां वह नया ऑटो खरीदना चाहता था। घर में उसकी पत्नी अनीता देवी व तीन मासूम पुत्रियां हैं। वह पांच भाइयों में तीसरे नंबर का था।

श्री अन्न आधारित व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित

सीतापुर। महिलाओं द्वारा विभिन्न आयोजनों पर अलग अलग मौसम में देशी तरीके से बनाए जाने वाले श्री अन्न (पोषक अनाज) के स्वादिष्ट व्यंजनों को प्रोत्साहित करके एक नई पहचान दिलाते हुए व्यवसाय से जोड़ने, पोषक थाली में शामिल करते हुए मानव आहार में समावेश करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, अम्बरपुर, सीतापुर द्वारा पहला विकास खण्ड के भज्जूपुर चौड़िया ग्राम पंचायत में सी0 बी0 प्राकृतिक फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनी के सहयोग से श्री अन्न आधारित व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

चूंकि सीतापुर जनपद में मोटे अनाजों में से सबसे ज्यादा उत्पादन बाजरा का किया जाता है जिसकी खेती सबसे अधिक क्षेत्रफल में की जाती है। उत्पादन में ज्वार दूसरे स्थान पर आता है। इसलिए सबसे अधिक व्यंजन जैसे खीर, नमकीन एवं मीठा चौसेला, पेड़ा, लड्डू, पुआ, नमकीन एवं मीठी टिक्की, कचौड़ी, रोटी, पंजीरी आदि स्वादिष्ट व्यंजन बाजरा से तैयार किए जाते हैं। सांवा, कोदो, काकुन, रागी एवं मडुआ में कुछ फसलों की खेती जनपद में बहुत ही सीमित क्षेत्रफल में एवं कुछ की नाममात्र की जाती है एवं इन पोषक अनाजों से भी विभिन्न व्यंजन बनाए जाते हैं। पोषक अनाजो का मानव जीवन में महत्व की जानकारी प्रदान करने, इन सभी फसलों के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए प्रशिक्षण, व्यंजन प्रतियोगिता, जागरुकता कार्यक्रम एवं प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं।

इसी के क्रम में भज्जूपुर चौडिया गांव में आयोजित श्री अन्न व्यंजन प्रतियोगिता में आई हुई समस्त महिलाओं को श्री अन्य का मानव जीवन में महत्व, श्री अन्न द्वारा बनाए जाने वाले विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों के बारे में एवं उनको व्यवसाय से जोड़ने के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत में कृषि विज्ञान केंद्र की गृह विज्ञान वैज्ञानिक ऋचा सिंह ने आए हुए प्रतिभागियों, निर्णायक मंडल का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को विभिन्न पोषक अनाजों में पाए जाने वाले तत्व की जानकारी प्रदान करते हुए पोषक अनाजों का आहार में महत्व की जानकारी दी साथ ही साथ इसके द्वारा बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों के निर्माण को उनके गुणों के आधार पर प्रोत्साहित किया तथा कहा इसका ज्यादा से ज्यादा निर्माण करके व्यवसायिक रूप भी दिया जा सकता है तथा रोजगार के अवसर भी प्राप्त किये जा सकते हैं।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार सिंह ने पोषक अनाज के मानव जीवन में महत्व की जानकारी प्रदान करते हुए लोगों को अपने आहार में पोषक अनाजों से बने हुए विभिन्न उत्पादों को शामिल करने का अनुरोध किया। उनके द्वारा कहा गया कि पहले हमारे यहां विभिन्न प्रकार के पोषक अनाज किसानों द्वारा पैदा किए जाते किए जाते थे एवं अपने आहार में शामिल किया गया था लेकिन धीरे–धीरे अधिकतर मोटे अनाज हमारे आहार से बाहर हो गए, आज आवश्यकता है कि इनके गुणों को ध्यान में रखते हुए इन्हें पुनः अपने आहार में शामिल किया जाए साथ ही साथ इनका उत्पादन करके एवं इनके व्यंजनों का निर्माण करके व्यवसाय का रूप भी दिया जाए जिससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा आय में वृध्दि होगी।

आयोजित प्रतियोगिता में भज्जूपुर चौड़िया गांव की महिलाओं द्वारा बाजरा, ज्वार, मडुआ , काकुन, कोदो, सांवा से तैयार किए हुए खीर, कचौड़ी, पुआ, बर्फी, हलवा, टिक्की, फ्रेंच फ्राई, भात, खिचड़ी, तहरी, पंजीरी, लड्डू, फरा, पकौड़ी, लावा आदि के साथ प्रतिभाग किया गया। सभी प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए व्यंजन बहुत ही स्वादिष्ट एवं उच्च गुणवत्ता के थे। गांव की अन्य महिलाओं ने भी इस कार्यक्रम में उत्सुकता पूर्वक प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए विभिन्न व्यंजनों का स्वाद, रंग आदि के आधार पर मूल्यांकन किया गया एवं प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम का चयन किया गया।

सपना शुक्ला द्वारा बनाए गए बाजरे की उर्द युक्त कचौड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया सुमन दीक्षित द्वारा बनाई गई काकुन की खीर

ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, रामेश्वरी शुक्ला द्वारा बनाए गया ज्वार+बाजरा +चना दाल का फरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, चंद्रावती मिश्रा द्वारा बनाए गए पोषक अनाज लड्डू ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया एवं संध्या दीक्षित द्वारा बनाए गए काकुन तहरी ने पंचम स्थान प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम में विनीता तिवारी, नम्रता मिश्रा, मंजू सिंह, फूला देवी, श्रुति मिश्रा, सरिता मिश्रा आदि ने अपने व्यंजनों के साथ प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु पोषक अनाजों के चावल, आटा, गुड आदि सी0 बी0 प्राकृतिक फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनी के निदेशक नीरज मिश्र द्वारा सभी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराया गया जिससे कि प्रतियोगिता को सफल बनाया जा सके।

न्याय पंचायत सहादत नगर में आज तक नही निर्मित हो सका निराश्रित पसु आश्रय स्थल

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। मिश्रित सीतापुर / आवारा पशुओं से कृषि फसलों की सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार ने प्रत्येक न्याय पंचायत पर निराश्रित पसु आश्रय स्थल निर्मित कराने के सख्त निर्देश जारी किए हैं । जिससे निराश्रित पसुओं को उनमें संरक्षित किया जा सके। लेकिन विकासखंड मिश्रित की ग्राम न्याय पंचायत सहादत नगर में तमांम जन प्रयासों के बावजूद भी आज तक निराश्रित पसु आश्रय स्थल का निर्माण नहीं हो सका है । यहां तक की राजस्व विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों द्वारा अभी तक न्याय पंचायत सहादत नगर की किसी भी ग्राम पंचायत में भूमि का चयन करके नही दिया गया है। जब कि इस न्याय पंचायत में ग्राम पंचायत अकबरपुर , शिवथान , इंडलवल ग्रंट , इस्लामनगर सहित पांच ग्राम पंचायतें आती हैं। परन्तु राजस्व विभाग के अधिकारियों व्दारा किसी भी ग्राम पंचायत में अभी तक भूमि का चयन करके नहीं दिया जा सका है। इस न्याय पंचायत की ग्राम पंचायत इस्लामनगर में जंगल झाड़ी की 6 एकड़ भूमि खाली पड़ी हुई है । वहीं ग्राम पंचायत अकबरपुर के खुर्शेदाबाद में लग भग चार एकड़ जंगल झाड़ी की भूमि खाली पड़ी हुई है। इसी तरह अन्य ग्राम पंचायतों में भी काफी भूमि खाली पड़ी है। फिर भी सहादत नगर न्याय पंचायत में क्षेत्रीय लेखपाल व्दारा आज तक निराश्रित पसु आश्रय स्थल निर्मित कराने हेतु भूमि का चयन नही किया जा सका है। जिससे इस न्याय पंचायत में आज तक निराश्रित पसु आश्रय स्थल का निर्माण नही हो सका है। ग्रामीणों का आरोप है। शासन के निर्देशानुसार यह पसु आश्रय

स्थल अइस्थाई न्याय पंचायतों पर निर्मित कराए जा रहे है। जिनको किसी भी श्रेणी की भूमि पर निर्मित कराया जा सकता है। परन्तु क्षेत्रीय लेखपाल की मनमानी के चलते इस न्याय पंचायत में भूमि का चयन नही किया जा रहा है। जब कि इस ग्राम पंचायतों में हजारों की संख्या में आवारा पसु खुला घूम रहे है। जो पलक झपकते ही किसानों की फसलों को चट कर जाते हैं। जिससे किसान जहां रात दिन जाग कर बीमार पड़ रहे हैं। वहीं इन आवारा पशुओं से कृषि फसलों की सुरक्षा करते समय कई किसान उनके हमलों से काल के गाल में समां चुके है। फिर भी विकासखंड मिश्रित में तैनात अधिकारी व तहसील के राजस्व विभाग में तैनात अधिकारी प्रदेश शासन के इस महत्वपूर्ण आदेश को लेकर कतई संजीदा नहीं दिखाई दे रहे है।

सुविधाएं परखने खुद रोडवेज बस में सवार हुए दया शंकर, की तारीफ

लखनऊ। प्रदेश के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम रोडवेज की साधारण बस सेवा से सफर किया । परिवहन मंत्री ने अवध बस स्टेशन से अयोध्या के बीच बस सफर कर यात्री सुविधाओं और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। आगामी 22 जनवरी को श्री राम लला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में आने जाने वाले श्रद्धालुओं के बेहतर सुविधाओं को रखने के लिए परिवहन मंत्री ने रोडवेज बस में सफर कर सुविधा परखी। परिवहन मंत्री ने परिवहन विभाग द्वारा अयोध्या की तरफ संचालित बसों में व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने इसी तरह व्यवस्था को चाक चौबंद बनाए रखने के निर्देश दिए। परिवहन मंत्री के साथ बस में अयोध्या यात्रा के दौरान साथ में क्षेत्रीय प्रबंधक सेवा प्रबंधन समेत अन्य लोग बस में मौजूद थे।

आशीष द्विवेदी बने विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष

उरई/जालौन। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश मंत्री राकेश पटैरिया ने आशीष द्विवेदी को महासंघ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। उन्होंने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को मनोनयन पत्र सौंपा। पटेलनगर स्थित कार्यालय में महासंघ के प्रदेश मंत्री ने कहा कि विश्व हिंदू महासंघ सूबे में हिंदुओं को एकजुट करने का काम कर रहा है। 16 जनवरी से महासंघ के बैनर तले राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर कार्यक्रम आयोजित हैं। इसमें रामनाम संकीर्तन, अंखड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ होगा। 21 जनवरी को छोटी दीपावली मनाई जाएगी और 22 को रामप्रसादी बंटवाई जाएगी फिर दीपोत्सव मनाया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि वह सात दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे। इसके बाद संगठन के विस्तार पर काम किया जाएगा। इस दौरान झांसी मंडल के प्रभारी वीरेंद्र सिंह ठाकुर, मनोज शर्मा, सुनील कुमार, रूपेंद्र तिवारी, सर्वेश तिवारी, अनुरुद्ध द्विवेदी, निखिल शर्मा, पंकज सोनी, पंकज सोनी, राजेश पांचाल व हर्षित आदि मौजूद रहे।

भंगेल बाजार की बर्तन दुकान में लगी आग,लाखों का माल जलकर राख

नोएडा। नोएडा के भंगेल बाजार स्थित एक बर्तन की दुकान में आग लग गई। आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। आग बाजार के नारायण बर्तन की दुकान में लगी। मौके पर दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग से लाखों का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि कोई जन हानि नहीं हुई है। आग सुबह करीब 11 बजे के आसपास लगी। भंगेल नोएडा का सबसे व्यस्त बाजार है। यहां आग लगते ही हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने थाना फेज–2 और दमकल विभाग को जानकारी दी। इस दौरान लोग बालटी और पाइप की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास करते रहे। करीब 15 से 20 मिनट के बाद दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। इसके बाद दो और गाड़ियां मौके पर भेजी गई। आग ऊपर की तरफ बढ़ गई थी। ऐसे में दमकल विभाग को मशक्कत करनी पड़ी। करीब आधे घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान आग आसपास न फैले सावधानी के तौर पर आसपास की दुकान को खाली करा लिया गया था। साथ ही बिजली सप्लाई को भी काट दिया गया था। दुकान में रखा लाखों का मॉल जलकर राख हो गया।

पीएम मोदी ने संगीत सम्राट उस्ताद राशिद खान के निधन पर शोक जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संगीत सम्राट उस्ताद राशिद खान के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा, "उनके निधन से एक शून्य पैदा हो गया है जिसे भरना मुश्किल होगा।"संगीत सम्राट उस्ताद राशिद खान का मंगलवार दोपहर निधन हो गया। पीएम मोदी एक्स के पास पहुंचे और अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, "भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया की एक महान शख्सियत उस्ताद राशिद खान जी के निधन से दुख हुआ। उनकी अद्वितीय प्रतिभा और संगीत के प्रति समर्पण ने हमारी सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया और पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनका निधन एक ऐसा शून्य छोड़ गया है जिसे भरना मुश्किल होगा।" भरें। उनके परिवार, शिष्यों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।"

उस्ताद राशिद खान का कोलकाता के एक अस्पताल में कैंसर का इलाज चल रहा था। उन्होंने आज सुबह अंतिम सांस ली। बुधवार को कोलकाता में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। राशिद खान उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के भतीजे थे और उन्होंने अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण अपने मामा उस्ताद निसार हुसैन खान से प्राप्त किया था।उन्होंने न केवल भारतीय शास्त्रीय संगीत में बहुत बड़ा योगदान दिया, बल्कि करीना–शाहिद अभिनीत फिल्म 'जब वी मेट' के 'आओगे जब तुम ओ साजना' और शाहरुख की फिल्म 'अल्लाह हाय रहम' जैसे भावपूर्ण गीतों से बॉलीवुड में भी अपना जादू बिखेरा। खान स्टारर 'माई नेम इज खान'.उस्ताद राशिद खान के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

आमिर खान ने बेटे और एक्स वाइफ किरण राव के साथ इरा को डेडिकेट किया ये स्पेशल सॉन्ग

अपने रिश्ते को संपन्न करने के बाद, आमिर खान की बेटी इरा खान, उदयपुर में नुपुर शिखरे के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस जोड़े ने मंगलवार रात अपना संगीत आयोजित किया। समारोह में दुल्हन के पिता ने अपनी बेटी को एक विशेष गीत समर्पित करके ध्यान आकर्षित किया। इरा और नुपुर की संगीत सेरेमनी के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनमें से एक है आमिर का सिंगिंग वीडियो। वीडियो में, आमिर खान अपनी एक्स वाइफ किरण राव और उनके बेटे आजाद के साथ मंच पर शामिल हुए और तीनों ने इरा को एक स्पेशल सींग डेडिकेट किया। उन्होंने कई गाने गाए, लेकिन 'फूलों का तारों का' की खूबसूरत प्रस्तुति ने ध्यान खींचा। नूपुर और इरा ने 'आफरीन–आफरीन' गाने पर सजी–धजी वेन्यू पर ग्रैंड एंट्री की। इरा ने खूबसूरत लाल रंग का लहंगा पहना था, जिस पर सोने की डिटेलिंग की गई थी। उन्होंने अपने पहनावे को सिर पर घूंघट से ढका हुआ था। नूपुर ग्रे सूट में सजी–धजी नजर आईं। इरा खान और नुपुर शिखारे ने 3 जनवरी को मुंबई के ताज लैंड्स एंड, बांद्रा में एक पंजीकृत विवाह के माध्यम से अपने रिश्ते को संपन्न किया। नूपुर बेहद कूल अंदाज में वेन्यू पर पहुंचे। अपने घर से कार्यक्रम स्थल तक जॉगिंग करते समय उन्होंने काली बनियान और सफेद शॉर्ट्स पहन रखी थी। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद नूपुर कार्यक्रम स्थल के बाहर ढोल की थाप पर थिरकीं। कथित तौर पर, नुपुर और इरा की मुलाकात कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान हुई थी जब नुपुर आमिर खान को ट्रेनिंग दे रही थी और इरा अपने पिता के साथ रह रही थी। पिछले साल नवंबर में दोनों ने सगाई की पार्टी रखी थी।

अभिनेत्री अंजुम फकीह ने शो कुंडली भाग्य छोड़ने को बताया सबसे कठिन निर्णय

टेलीविजन शो कुंडली भाग्य में सृष्टि की भूमिका निभाने के बाद प्रसिद्ध हुईं अभिनेत्री अंजुम फकीह ने छह साल बाद शो छोड़ दिया है। अंजुम ने कुंडली भाग्य छोड़ने के पीछे की वजह का खुलासा किया और बताया कि यह शो उनकी जिंदगी में कितनी खास जगह रखता है। उन्होंने कहा, कुंडली भाग्य और सृष्टि ने मुझे वह आकार दिया है जो मैं आज हूं। यह मेरे जीवन में दोस्ध्त बनाने और मूल्यवान सबक देने वाला एक अविश्वसनीय अध्याय रहा है। एक परिवार के रूप में हमने जो यादें बनाई हैं, वे अनमोल हैं और मेरे दिल के बेहद करीब हैं। सृष्टि का किरदार निभाना एक परिवर्तनकारी अनुभव था और जब अंजुम के बजाय मुझे सृष्टि के रूप में संबोधित किया जाता है तो मुझे बेहद गर्व महसूस होता है।

उन्होंने कहा, कुंडली भाग्य ने न केवल एक कलाकार के रूप में मेरे महत्वपूर्ण विकास में मदद की, बल्कि मुझे एक अविश्वसनीय प्रशंसक आधार से भी जोड़ा, जिसने पूरे समय मेरा समर्थन किया। उन्होंने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट एक मील का पत्थर बन गया है और मैं इसके सबक और अनुभवों को अपने करियर के अगले अध्याय में ले जाऊंगी। मुझे यह अद्भुत अवसर प्रदान करने के लिए एकता कपूर को मेरा हार्दिक आभार। मैं अपने प्रिय शो कुंडली भाग्य की सफलता में योगदान देने का मौका पाने के लिए वास्तव में आभारी हूं।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने कुंडली भाग्य को किसी अन्य प्रोजेक्ट के लिए नहीं छोड़ा। शो की जैनरेशनल लीप लेने से पहले भी मैं एक कलाकार के रूप में अपनी इच्छा के बारे में निर्माताओं के साथ लगातार संपर्क में थी। आगे बढ़ने का निर्णय आसान नहीं था। मुझे एक प्रतिभाशाली और समर्पित टीम के बीच एक शानदार भूमिका में डूबने का अवसर मिला। एक कलाकार के रूप में मैं विकसित होने और विविध भूमिकाएं निभाने की स्वाभाविक प्रवृत्ति महसूस करती हूं। मेरा मानना है कि खुद को लगातार चुनौती देना महत्वपूर्ण है। इसी कारण यह निर्णय लिया गया। इस बीच वह अपने शो दबंगी की शूटिंग में बिजी हैं।

कैटरीना कैफ ने 'मेरी क्रिसमस' के को-स्टार विजय सेतुपति के साथ की ट्विनिंग

एक्टर कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति अपनी आने वाली फिल्म 'मेरी क्रिसमस' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। कैटरीना ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर विजय के साथ एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, "मेरी क्रिसमस के लिए यहां और वहां।"तस्वीर में कैटरीना और विजय को सफेद आउटफिट में ट्विनिंग करते देखा जा सकता है। कैटरीना सफेद ड्रेस में कैमरे की ओर देखते हुए खूबसूरत लग रही हैं। दूसरी ओर, विजय ने सफेद शर्ट पहनी थी और उसे कैमरे के बाईं ओर देखते देखा जा सकता है।इससे पहले विजय के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा करने पर उन्होंने कहा था कि यह शानदार था। "विजय सर्वश्रेष्ठ कलाकार हैं। रिहर्सल के पहले सप्ताह के दौरान, मुझे उनकी विचार प्रक्रिया में काफी दिलचस्पी थी और वह हर दृश्य को कैसे देखते थे। श्रीराम सर ने शूटिंग से पहले अभिनेताओं को काफी जगह दी और हमने काफी चर्चा की। . जब मैंने अंतिम परिणाम देखा, तो मैंने विजय और अपने चरित्र के बीच जो देखा वह आश्चर्यजनक था।"विजय ने कैटरीना की तारीफ भी की. "वह इतने लंबे समय से इंडस्ट्री में हैं, इसलिए मैं थोड़ा आशंकित था कि सेट पर उनका रवैया कैसा होगा क्योंकि

अगर अभिनेता का रवैया ऐसा है, तो उसके साथ काम करना मुश्किल है। मैं उनसे पहली बार मिला था श्रीराम सर के कार्यालय में और जैसे ही उन्होंने कार्यालय में प्रवेश किया, बहुत स्वस्थ बातचीत हुई। वह अधिक चर्चा करना और अधिक सुनना पसंद करती हैं। सेट पर हमारे बीच बेहतर समझ थी। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा और सीखा।

'मेरी क्रिसमस' की बात करें तो निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया था, जिसे प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रियाएं मिलीं। फिल्म को अलग–अलग सहायक कलाकारों के साथ दो भाषाओं में शूट किया गया है। हिंदी संस्करण में संजय कपूर, विनय पाठक, प्रतिमा कन्नन और टीनू आनंद भी हैं। दूसरी ओर, तमिल संस्करण में राधिका सरथकुमार, शनमुगराजा, केविन जय बाबू और राजेश विलियम्स समान भूमिकाओं में हैं। 'मेरी क्रिसमस' 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।